वर्ष-08 | अंक-274 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-

RNI-MPHIN/2018/75526

दैनिक **कालप्रिया**

सच वही जो दिखे...

भोपाल, शुक्रवार 10 जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ कृष्ण पक्ष-11, विक्रम संवत् 2083

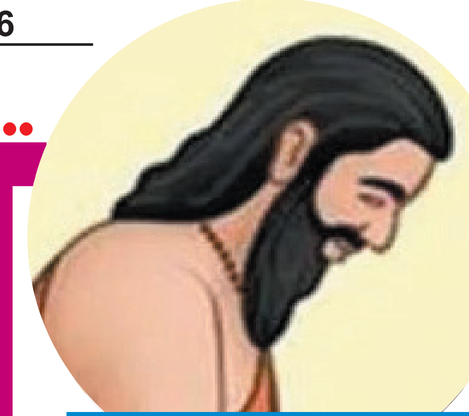

मेलबर्न में मोदी का मेगा शो-ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर प्रधानमंत्री बोले-

आतंकी ठिकानों पर धमाकों की गूंज दुनिया ने सुनी

मेलबर्न। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखने और सुनने के लिए मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में हजारों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग जुटे। प्रधानमंत्री अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के साथ यहां पहुंचे। पीएम मोदी ने वहां मौजूद प्रवासी भारतीयों से उनके सम्मान में फ्लैश लाइट जलाने को कहा, जिसके प्रत्युत्तर में पूरा स्टेडियम जगमगा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों तीन दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। उन्होंने गुरुवार को मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस मेगा शो में 30 हजार भारतीय शामिल हुए। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर का एक बार फिर जिक्र किया है। पीएम ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर हुए धमाकों की गूंज पूरी दुनिया ने सुनी।

भारतीय ऐसे ही हैं जैसे दूध में चीनी मिल जाती है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हम भारतीय ऐसे ही हैं जैसे दूध में चीनी मिल जाती है और उसे और भी मीठा कर देती है। वैसे ही, हम भारतीय दुनिया भर में अपने प्रेम का रंग घोलते रहते हैं। घर में दूध तो ऑस्ट्रेलिया वाला आता है, लेकिन चाय भारत वाली बनती है... उन्होंने कहा, आपने सुना होगा कि भारत में आजकल भजन क्लबिंग का नया ट्रेंड चल रहा है। हमारी इसे आगे बढ़ा रही है और यहां ऑस्ट्रेलिया में भी, मैंने सुना है कि आपके वीकेंड भी आस्था और आध्यात्म से भरा रहता है। कहीं किसी के घर भगवान सत्यनारायण की कथा, तो कहीं गुरुद्वारे में अरदास, कहीं बच्चे द्वारा भांगड़ा, कहीं भरतनाट्यम की प्रस्तुति या कहीं कोई क्रिकेट टूर्नामेंट चल रहा होता है।

हम जब मदद करते हैं तो नागरिकों के पासपोर्ट नहीं देखते

वेनेजुएला में भूकंप के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन अमिस्ताद का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत हमेशा आपदा में मदद करता है। हम जब मदद करते हैं तो नागरिकों के पासपोर्ट नहीं देखते। दुनिया आज भारत पर भरोसा करती है। पीएम मोदी ने तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान भी भारत की तरफ से भेजी गई मदद का जिक्र किया।

भरौला हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

ट्रक से टकराई कार दो महिलाओं समेत पांच की मौत

उमरिया। उमरिया जिले में बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने पांच परिवारों की खुशियां छीन लीं। कोतवाली थाना क्षेत्र के भरौला गांव के पास सिद्ध बाबा मंदिर के समीप तेज रफ्तार कार ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग वाहन के अंदर बुरी तरह फंस गए। हादसे में दो महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। दुर्घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

तेज रफ्तार ट्रक से टकराई, मची चीख-पुकार

जानकारी के अनुसार, भरौला गांव के पास सिद्ध बाबा मंदिर के समीप हाईवे पर तेज गति से जा रही कार ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए।

कतर, कुवैत, बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन अटैक

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने बताया है कि उसने कतर, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले किए हैं। ईरानी सेना के मुताबिक, हमलों में कुवैत के पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, कतर के अर्ली वॉर्निंग सैटेलाइट एंटीना और बहरीन में अमेरिकी सेना के फ्यूल टैंक को निशाना बनाया गया। इन हमलों के लिए बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इससे पहले अमेरिका ने ईरान पर लगातार दूसरे दिन बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने करीब 90 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। इन हमलों से ईरान के अहवाज में 3 लोगों की मौत हुई है। ईरानी सेना ने कहा कि वह अमेरिकी हमलों का जवाब देती रहेगी। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान समझौता चाहता है, लेकिन उसे इस बात पर भरोसा नहीं कि तेहरान समझौते का पालन करेगा।

जॉर्डन ने ईरानी मिसाइलें मार गिराने का दावा किया

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, जॉर्डन सरकार के प्रवक्ता मोहम्मद अल मोमानी ने कहा कि ईरान ने गुरुवार को उनकी तरफ मिसाइलें दागी जिसे सेना ने हवा में ही मार गिराया। साथ ही पूरे देश में चेतावनी देने वाले सायरन बजाए गए। फिलहाल किसी नुकसान या हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कालापीपल को दी 30.86 करोड़ की सौगात, सीएम ने कहा-

देश में अलग-अलग कानून नहीं होने चाहिए

शाजापुर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को शाजापुर जिले के कालापीपल को 30.86 करोड़ लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने यहां कई कामों के लोकार्पण और भूमिपूजन किए। उन्होंने यहां आयोजित किसान समृद्धि संकल्प सम्मेलन एवं हरा-भरा कालापीपल पौधरोपण अभियान का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इससे पहले कालापीपल में उनका रोड शो हुआ। इस रोड शो में जनता ने अपने लाड़ले बेटे पर जमकर फूल बरसाए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर को नई सड़कें और रेलवे ओवर ब्रिज देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसी महीने राज्य में यूसीसी लागू करने के प्रयास किए जाएंगे। देश में अलग-अलग कानून नहीं होने चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कालापीपल अद्भुत क्षेत्र है। मां राज-राजेश्वरी की इस पर असीम कृपा है। आज यह क्षेत्र पौधरोपण में नया रिकॉर्ड बना रहा है। नेवज, लकुंदर, चिल्लर, पार्वती इन पांच नदियों की इस क्षेत्र को कृपा मिल रही है। परमात्मा ने शाजापुर को अद्भुत सौंदर्य दिया है।

किसानों के लिए सबकुछ करने को तैयार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, जो धरती को हरियाली का उपहार देते हैं, वही आने वाले कल को आकार देते हैं। किसान मुस्कुराए तो मुस्कुराता जहां है, इन्हीं की मेहनत से महकता अपना हिंदुस्तां है। आज का यह आयोजन केवल भूमि-पूजन, लोकार्पण का औपचारिकता का कार्यक्रम नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों का 6-6 महीने के ब्याज का झंझट खत्म हो जाएगा। अब हम एक साल के लिए लोन देंगे। किसानों के लिए हमारी सरकार सबकुछ करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अलग पहचान बना रहा है। किसान सम्मान निधि से लेकर सभी योजनाएं लगातार जन कल्याण का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस के मित्रों से पूछना चाहता हूं कि आपको परेशानी क्या है। आप बताइए नर्मदा कहां और शाजापुर कहां।

बीजेपी सरकार में बढ़ा सिंचाई का रकबा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा, रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून, पानी गए न ऊबरे, मोती-मानुस चून। खेत में किसान और सीमा पर जवान, दोनों का सम्मान, ये है भाजपा की पहचान। हमने पारस पत्थर तो नहीं देखा, लेकिन यह पक्की बात है कि अगर सूखे खेत को पानी मिल जाए, तो वह सोना उगलने लगता है।

कांग्रेस ने राज्यों को आपस में लड़वाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले रात में लाइट नहीं जलती थी, अब दिन में लाइट जलती है। किसान सिंचाई के लिए डीजल की टंकी लेकर दौड़ता था, जगह-जगह धक्के खाता था, लेकिन बिजली नहीं मिलती थी। हमारी सरकार में गांव की लाइट अलग, खेत की लाइट अलग है। आने वाले समय में हमारी सरकार और सौगात देगी।

अब प्यासा नहीं रहेगा बुंदेलखंड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच पानी को लेकर 20-30 साल तक झगड़ा चलता रहा। इस हल से 15 जिले राजस्थान के और 13 जिले प्रदेश के आनंद मनाएंगे। इस परियोजना का 90 फीसदी केंद्र सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के लोग बड़े जुझारू हैं.

सिंधिया राजघराने का सम्पत्ति विवाद एक पक्ष ने जताई आपत्ति, टला फैसला

ग्वालियर (एजेंसी)

जिला कोर्ट में बुधवार को सिंधिया राजपरिवार के करीब 40 हजार करोड़ के पैतृक संपत्ति विवाद पर सुनवाई हुई। उम्मीद थी कि दशकों पुराना विवाद आज आपसी समझौते के साथ समाप्त हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सूत्रों के मुताबिक, समझौते के कुछ बिंदुओं पर एक पक्ष ने आपत्ति जता दी, जिसके बाद कोर्ट ने दोनों पक्षों को और समय दे दिया। अब मामले की अगली सुनवाई 20 जुलाई होगी।

माना जा रहा था कि बुधवार को सिंधिया परिवार के सभी पक्ष अदालत में अपनी सहमति दर्ज कराकर दशकों पुराने विवाद का पटाक्षेप कर देंगे। सूत्रों का कहना है कि मामले में एक पक्ष ने समझौते के कुछ बिंदुओं पर आपत्ति दर्ज करा दी। इस पर दोनों पक्षों ने अपना पक्ष रखने के लिए अदालत से अतिरिक्त समय की मांग की। कोर्ट ने पक्षकारों की ओर से प्रस्तुत आपसी समझौते की इच्छा को देखते हुए उन्हें समय दे दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 20 जुलाई होगी। माना जा रहा है कि उसी दौरान समझौते पर अंतिम सहमति बनने के बाद संपत्ति के बंटवारे पर अदालत अपनी अंतिम मुहर लगा सकती है।

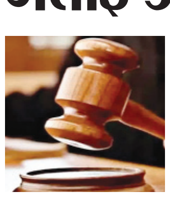

जिला कोर्ट में अब 20 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

1988 में हुई थी विवाद की शुरुआत

सिंधिया राजपरिवार में पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद की शुरुआत 1988-89 में हुई थी। 2001 में माधवराव सिंधिया के निधन के बाद यह विवाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनकी तीनों बुआओं उषा राजे, यशोधरा राजे और वसुंधरा राजे के बीच चल रहा है। सालों तक मामला जिला कोर्ट और फिर हाईकोर्ट में विचाराधीन रहा। बुधवार को जिला न्यायालय में दोनों पक्षों के समझौते संबंधी आवेदनों पर सुनवाई हुई।

आरोपियों के घर से नोटों के बंडल मिले

रिश्तेदारों के 30 बैंक अकाउंट फ्रीज; चंदे की रकम ब्याज पर बांटी, शेयर मार्केट में लगाई

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी अनुकल्प मिश्रा को पुलिस गुरुवार सुबह 9 बजे उसके घर लेकर गई। वहां करीब 20 मिनट तक तलाशी ली। घरवालों से भी पूछताछ की। इससे पहले, बुधवार को पुलिस लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय को भी उनके घरों पर लेकर गई थी। इनके भी घरों की तलाशी ली थी। पुलिस ने आरोपियों के रिश्तेदारों के 30 बैंक खाते फ्रीज किए हैं। इन खातों में आय की तुलना में अधिक लेन-देन मिलने की बात सामने आई है।वहीं, तीनों के घरों की तलाशी के दौरान पुलिस ने नोटों के बंडल और सोने के जेवर (कान की बालियां, लॉकेट) बरामद किए। साथ ही एक कार भी मिली। हालांकि, पुलिस ने अभी इसका खुलासा नहीं किया कि कितना कैश और सामान किसके घर से बरामद हुआ है? पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अनुकल्प ने पूछताछ में बताया- मैं और अविनाश शुक्ला चोरी के पैसों को शेयर मार्केट में लगाते थे। लोगों को ब्याज पर देते थे।

22 जुलाई के बाद बदलेगी राम मंदिर की व्यवस्था

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट 22 जुलाई के बाद राम मंदिर की व्यवस्थाओं में व्यापक बदलाव लागू करने की तैयारी में है। दर्शन व्यवस्था, राग-भोग, पूजा-पद्धति, श्रद्धालु सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के लिए ट्रस्ट नए सिरे से मंथन कर रहा है। इसके लिए अयोध्या के संतों और रामानंदीय परंपरा के विद्वानों के सुझावों को भी शामिल किया जा रहा है।

पुलिस को तीनों आरोपियों के घरों पर छापे, नगदी और जेवर मिले

तीनों आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने उनके घरों में छापेमारी की। इस दौरान नोटों के बंडल, सोने के जेवर (कान की बालियां और लॉकेट समेत) और एक चार पहिया वाहन बरामद किया गया। हालांकि, किस आरोपी के घर से क्या-क्या बरामद हुआ है, इसे लेकर पुलिस ने अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है।

खास उपहार आमिर ने पत्नी गौरी को दी खास रूबी की अंगूठी, इसमें कीमती रत्नों के साथ जड़े हैं 40 असली हीरे

131 कारीगरों ने 256 घंटे में तैयार की गौरी की अंगूठी

नई दिल्ली (एजेंसी)

आमिर खान और गौरी स्प्रैट की शादी में दिखावा नहीं, बल्कि अपनापन, भावनाएं और एक खास गहना अहम था। इस कपल ने 5 जुलाई को आमिर के बांद्रा वाले घर पर करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की। पब्लिक शो-ऑफ के शोर-शराबे से दूर, इस पल को और भी खास बनाया एक दुर्लभ नेचुरल रूबी वाली अंगूठी ने। इस अंगूठी को बनाने में, डिजाइन तैयार करने से लेकर सेटिंग और फिनिशिंग तक- 256 घंटे से अधिक की कारीगरी लगी और इसे 131 कुशल कारीगरों ने मिलकर पूरा किया। आमिर ने गौरी के लिए जो वेडिंग रिंग चुनी थी, उसे असल में शाही अंदाज वाला लुक देने के लिए डिजाइन किया गया था। इस गहने के बीच में मेडागास्कर का एक कैबोकॉन-कट नेचुरल रूबी लगा है, जो अपनी चिकनी, गुंबद जैसी सतह और गहरे ऑक्सब्लड रंग के लिए जाना जाता है। कटे हुए (फैसेटेड) पत्थर के उलट, कैबोकॉन पॉलिश रूबी के गहरे रंग को एक जगह इकट्ठा होने और बदलते हुए दिखने देती है, जिससे इसमें एक चमकदार, अंदर से आती हुई सी चमक दिखाई देती है। रिंग सोने में जड़ी है और उसके चारों ओर 40 असली हीरे लगे हैं। जानकारी के अनुसार मेडागास्कर रूबी को हासिल करने में तीन महीने से अधिक का समय लगा। यह पत्थर एक खास श्रेणी का है, 0.1 प्रतिशत से भी कम रूबी इस क्वालिटी के होते हैं।

गौरी की अंगूठी की खासियत

इस अंगूठी की खासियत यह है कि रूबी को किस तरह लगाया गया है। यह सिर्फ बैंड पर नहीं रखी है, बल्कि यह सोने के ताज जैसी बनावट से ऊपर उठती हुई दिखती है। पत्थर के चारों ओर सोने की एक स्कैलप्ड गैलरी है जिसमें नरम उभार हैं, जिससे अंगूठी ऐसी लगती है जैसे किसी कीमती रत्न के चारों ओर ताज बनाया गया हो। इस डिजाइन को बारीक मिलग्रेन बीडिंग से पूरा किया गया है। यह हाथ से की गई एक ऐसी डिटेलिंग है जो अक्सर खानदानी और राज्याभिषेक के गहनों में देखी जाती है। इस अंगूठी को बॉम्बे सिगनेट स्टाइल में बनाया गया है। यह ऊपर की ओर उभरी हुई, बोल्ड और वजनदार है। इसे देखकर ऐसा लगता है जैसे यह पीढ़ियों से चली आ रही कोई चीज हो, न कि किसी खास मौके के लिए खरीदी गई कोई आम चीज।

बनाने वाले ने क्या कहा

इस अंगूठी को बनाने वाली कंपनी क्वीन के को-फाउंडर और सीईओ अमित कुमार ने कहा, हमारा मानना है कि गहने में उस इंसान की भावनाएं होनी चाहिए जिसके लिए उसे बनाया गया है। गौरी के लिए यह रूबी रिंग एक बहुत ही खास और निजी चीज के तौर पर डिजाइन की गई थी, जो दुर्लभ, प्राकृतिक और मीनिंग से भरा हो। शादी जैसे निजी पल के लिए इसे चुना जाना, ब्रांड पर भरोसे का एक बहुत ही खास इजहार है।

बचाव अभियान जारी

महाराष्ट्र: पिंपरी चिंचवड़ में इमारत ढही, 15-16 लोग मलबे में दबे

पुणे, एजेंसी

महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ के मोशी इलाके में एक इमारत अचानक ढह गई। घटना में लगभग 15-16 लोग मलबे के नीचे फंस गए हैं। राहत एवं बचाव कार्य जोरों पर चल रहे हैं। एनडीआरएफ, आर्मी, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और युद्ध स्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है। महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन ने घटनास्थल पर पहुंचकर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि अंदर और 6-7 लोग हो सकते हैं। चार लोगों को बचा लिया गया है। बाकी अस्पताल में हैं, सबकी हालत अच्छी है। हमारे प्रयास लगातार जारी हैं। अभी मलबा हटाने का काम चल रहा है। नीचे एक बेसमेंट और उसके ऊपर का फ्लोर पूरी तरह मलबे से ढका हुआ है।

सीएम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं

पहले निचले हिस्से से चार लोगों ने आवाज दी थी और हलचल भी दिखी थी, लेकिन अब नीचे से कोई आवाज नहीं आ रही है। एनडीआरएफ और सैन्य टीमें प्रयास कर रही हैं। कोई जवाब न मिलने पर हम और मलबा हटाकर नीचे तक पहुंचेंगे।

मौजूदा स्थिति: चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। बाकी फंसे लोगों को निकालने के लिए भारी मशीनरी और विशेष टीमों का इस्तेमाल किया जा रहा है। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

[मौसम] जिले में अब तक 187.7 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

सतना नगर में सर्वाधिक तो जसो में हुई अब तक सबसे कम बारिश

नगर संवाददाता ■ सतना

जिले में इस वर्ष 1 जून से 8 जुलाई तक 187.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 296.4 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 203.6 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 161.2 मि.मी, बिरसिंहपुर में 241.9 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 181.2 मि.मी., नागौद में 202.8 मि.मी., जसो (नागौद) में 56.7 मि.मी. एवं उचेहरा में 158 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 232.5 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

गत वर्ष अब तक 235.2 मिमी दर्ज हुई थी औसत वर्षा

जिले में विगत वर्ष 1 जून से 8 जुलाई तक 235.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2025 में जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 394.5 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 184.5 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 197.5 मि.मी, बिरसिंहपुर में 101 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 189.4 मि.मी., नागौद में 369.7 मि.मी., जसो (नागौद) में 89.5 मि.मी. एवं उचेहरा में 355.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी थी।

तीन दिन में महज 82 मिलीमीटर हुई बारिश

मौसम विभाग के अनुसार सतना शहर में तीन दिन के अंदर महज 82.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को 3.2 मिमी, मंगलवार को 72.7 मिलीमीटर व बुधवार को सुबह साढ़े आइ बजे तक 6.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बुधवार को दिनभर आसमान में बादल तो छाये रहे लेकिन बारिश नहीं हुई जिस वजह से शाम को उमस का असर भी देखने को मिला। वहीं अधिकतम व न्यूनतम तापमान में एक डिग्री का इजाफा भी नजर आया।

बारिश में आसमान छूने लगे सब्जियों के दाम

■ हरी सब्जियों में महंगाई की मार, बढ़ गए टमाटर, प्याज के भाव

नगर संवाददाता ■ सतना

मौसम का मिजाज भले ही पिछले कई दिनों से उतार-चढ़ाव वाला हो लेकिन सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। आलू को छोड़कर हरी सब्जियों के दामों में उछाल देखा जा रहा है। इतना ही नहीं टमाटर व प्याज के दाम ने भी ग्राहकों की जेब ढीली कर दी है। व्यापारियों की माने तो जैसे-जैसे जिले में बारिश का असर तेज होगा वैसे-वैसे सब्जियों के दाम भी बढ़ेंगे। क्योंकि पैदावार कम होने के कारण बारिश के दिनों में सब्जियों के दाम अधिक हो जाते हैं।

लोकल सब्जियों की आवक घटी

बारिश का सीजन आते ही लोकन सब्जियों की आवक मंडी में कम होने लगी है। जहां पहले काफी मात्रा में लौकी, टमाटर, कुम्हड़ा, पालक, मेथी, मटर, खीरा आता था वहीं अब केवल लौकी और कुम्हड़ा ही किसान लेकर पहुंच रहे हैं। थोक मंडी में लोकल सब्जियों की आवक कम होने का असर हरी सब्जियों में साफ देखने को मिल रहा है।

बाहरी सब्जियों पर निर्भर हुए कारोबारी

लोकल सब्जियों की कमी का असर कीमतों में देखा जा रहा है। बताया गया कि भिंडी, परवल, करेला, बरबटी, शिमला मिर्च, खीरा, लहसुन, अदरक सहित अन्य सब्जियां कारोबारियों द्वारा गर्मी के सीजन में बाहर मंगाने का काम किया जा रहा है। यही वजह है कि भाड़ा आदि जोड़ने के बाद सब्जियों की कीमत में इजाफा हो रहा है।

टमाटर के बराबर हो गए प्याज के दाम

पिछले कुछ दिनों के अंदर ही प्याज के दामों में काफी तेजी आई है। अमूमन दस से बारह रुपए किलों के दाम पर मिलने वाली प्याज इन दिनों से चालीस रुपए किलो के भाव पर मिल रही है। वहीं टमाटर के दाम भी चालीस रुपए किलो पर पहुंच गया है। मंडी प्याज लो या टमाटर दोनों एक भाव पर मिल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जयस्तंभ चौक व्यापारी संघ के राकेश अध्यक्ष, महामंत्री धर्मेन्द्र बने

सतना। जयस्तंभ चौक व्यापारी संघ की एक आवश्यक बैठक गणेश टॉवर में सम्पन्न हुई। बैठक में नवीन कार्यकारिणी को लेकर चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से निर्विरोध कमेटी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, महामंत्री धर्मेन्द्र गोयल, कोषाध्यक्ष संदीप जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप खिलवानी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, आशीष मोंगिया, मंत्री आशीष गुप्ता, सहमंत्री जीतेष कुमार, जनसम्पर्क अधिकारी रोहित छत्तानी, सांस्कृतिक प्रभारी राजेन्द्र गुप्ता शामिल है।

जिला बारात घर एंड टेंट डेकोरेटर्स ऐशो. की बैठक हुई संपन्न

सतना। जिला बारात घर एन्ड टेंट डेकोरेटर्स ऐशो.की बैठक विगत रविवार को मधुबन मैरिज गार्डन में अध्यक्ष लखन अग्रवाल के नेतृत्व में एवं महामंत्री विनोद तिवारी के तत्वाधान में बैठक सम्पन्न कराई गई,बैठक के दौरान समस्त सदस्यों की उपस्थिति के दौरान बैठक में सर्वप्रथम आगामी सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में भोपाल में होने वाले भोजपाल शामियाना कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए सभी सदस्यों को अवगत कराया गया एवं साथ ही भोजपाल शामियाना होने वाले कार्यक्रम के बैनर का विमोचन किया गया। विंध्य चेम्बर ऑफ कामर्स एन्ड इंडस्ट्रीज के समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का जिला बारात घर सतना, के द्वारा सम्मान, आगामी अगस्त /सितंबर माह को भोपाल में होने वाले अधिवेशन के लिए सहभागिता हेतु परिचर्चा ,और आगामी 14 जुलाई को रतलाम में होने वाली त्रिमासिक बैठक में सम्मिलित हेतु परिचर्चा की गई।

लोको रनिंग स्टाफ परिवार संग एडीआरएम ने किया संवाद

■ परिवार और कार्य के बीच बेहतर समन्वय, संवाद व सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

नगर संवाददाता ■ सतना

सतना रेलवे स्टेशन परिसर में लोको रनिंग स्टाफ परिवार के लिए एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर मंडल के एडीआरएम दिनेश कुमार कालवे ने बुधवार को कार्यक्रम में लोको पायलटों की पत्नियों एवं परिजनों से संवाद कर समस्याओं को जाना। बताया गया कि सेमिनार का उद्देश्य रनिंग स्टाफ के परिवारों की समस्याओं को समझना, संवाद स्थापित करना और उनके समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल करना रहा। कार्यक्रम के दौरान परिजनों ने अपने दैनिक जीवन में आने वाली विभिन्न कठिनाइयों, मानसिक तनाव, पारिवारिक चुनौतियों और रनिंग ड्यूटी की प्रकृति से जुड़ी समस्याओं को खुलकर साझा किया। में परिवार और कार्य के बीच बेहतर समन्वय, संवाद तथा सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि लोको रनिंग स्टाफ रेलवे संचालन की महत्वपूर्ण कड़ी है और उनके परिवारों का सहयोग एवं संतोष सुरक्षित और बेहतर रेल संचालन के लिए भी आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में परिजनों को आश्वस्त किया गया कि उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिलाया। सेमिनार आवश्यक सुधारात्मक प्रयास किए जाएंगे तथा भविष्य में भी ऐसे संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।इस अवसर पर वरिष्ठ फोरमैन, एरिया मैनेजर, एडीएनई, डीटीआरओ सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

ताइक्वांडो टैलेंट सर्च में युवाओं ने दिखाया दम

नगर संवाददाता ■ सतना

जिला ताइक्वांडो संघ सतना की मुख्य शाखा सतना मार्शल आर्ट एकैडमी मे मध्यप्रदेश की ताइक्वांडो खेल प्रतिभाओ को तलाशने के लिए 'टैलेंट सर्च -2026-27' का आयोजन किया गया। जिसमे ताइक्वांडो के 100 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसमे 72 बालक और 30 बालिकाओं ने हिस्सा लिया। भोपाल के टी. टी. नगर मे स्थित मार्शल आर्ट एकैडमी के मुख्य कोच एवं अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी जगजीत सिंह माड द्वारा खिलाड़ियों की तकनीक, फिटनेस, स्ट्रेंथ, और फाइटिंग स्किल का परिक्षण बारीकी से किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने और ट्रायल मे आई टीम को कोआर्डिनेट करने के लिए जिला खेल अधिकारी सुश्री रितिका दुबे,खेल एवं युवा कल्याण विभाग सतना ने जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव और नेशनल रेफरी डा. संदीप भारती को जिम्मेदारी दी थी। चयनित खिलाड़ियों को राज्य खेल अकादमियों में आधुनिक सुविधाओं के साथ उच्चस्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को राजधानी के टी.टी. नगर स्टेडियम स्थित मध्यप्रदेश राज्य मार्शल आर्ट अकादमी खिलाड़ियों को एडवांस ट्रेनिंग के लिए रखा जायेगा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों के अनुसार चयन पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है। खिलाड़ियों का मूल्यांकन केवल प्रदर्शन के आधार पर किया जा रहा है। इसमें शारीरिक क्षमता, तकनीकी दक्षता, फिटनेस और संबंधित खेल की आवश्यकताओं को प्रमुख मानदंड बनाया गया है, ताकि सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को खेल अकादमियों में प्रशिक्षित किया जा सके।

सतना की उपेक्षा पर मुख्यमंत्री ध्यान दें : सुरेंद्र शर्मा

सतना। जदयू राष्ट्रीय समिति के पूर्व सदस्य अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र में मांग करते हुए कहा कि लम्बे समय से सतना स्वास्थ्य , शिक्षा और सर्वांगीण विकास से उपेक्षित है विकास के नाम पर सतना जिला ठगा महसूस कर रहा है नागरिक सुविधाएं मिलने के वजाय छीनी जा रही औद्योगिक हब के वावजूद नौजवानों, बेरोजगारो को काम की तलाश में बाहर भटकना पड रहा है बेहतर शिक्षा और इलाज के लिए भी यही हालत है एन आई टी, कृषि महाविद्यालय, सतना को संभाग का दर्जा देने एवं एयरपोर्ट विस्तार कर संचालन की आपेक्षा है वहीं शहर सडक, सुरक्षा, शुद्ध पेयजल, व्यवस्थित यातायात जैसी नागरिक सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है इसलिए मुख्यमंत्री सतना की उपेक्षा पर संज्ञान ले और नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करेने कदम उठाए तो अच्छा होता।

सामाजिक समरसता के लिए काम करने श्री अग्रसेन मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट बनी

मोतीलाल गोयल को संस्थापक ट्रस्टी व रामावतार को मिली मंत्री पद की जिम्मेदारी

नगर संवाददाता ■ सतना

सामाजिक कार्यों के लिए गठित संस्था श्री अग्रसेन मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी मोतीलाल गोयल को सर्व सम्मति से अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि ट्रस्ट में रामावतार चमड़िया को मंत्री और कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी बिहारी अग्रवाल को सौंपी गई है। ट्रस्ट के अध्यक्ष मोतीलाल गोयल ने बताया कि यह ट्रस्ट जाति से नहीं बल्कि सेवा, संस्कार एवं सामाजिक समरसता के लिए काम करेगा। ट्रस्ट में अधिकतम 51 ट्रस्टी रहेंगे। सर्व सुविधा युक्त भवन बनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में रामावतार चमड़िया, नरेश अग्रवाल, डा.राजेश जैन, विजय जैन, सुबोध गोयल, बिहारी अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, सीए पंकज डागा, प्रमोद अग्रवाल, बजरंग गोयल, सन्नी गोयल, राजेश केडिया, ओमप्रकाश शर्मा, पवन केजरीवाल, प्रदीप बोथरा, राजदीप अग्रवाल, विनोद गर्ग, जितेंद्र जैन, राजेश अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, ऋषि अग्रवाल, संजय खेमका समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

स्व.बिसरनिया वर्मा को डॉ. रश्मि ने अर्पित की श्रद्धांजलि

सतना। ग्राम तिलगुवा में शिक्षक श्यामलाल वर्मा की धर्मपत्नी स्व.श्रीमती बिसरनिया वर्मा की शोकसभा में कांग्रेस नेत्री एवं समाजसेवी डॉ. रश्मि सिंह शामिल हुईं। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित कर शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की शोकसभा को संबोधित करते हुए डॉ. रश्मि सिंह ने कहा कि मृत्यु जीवन का अटल सत्य है, लेकिन अच्छे कर्म, संस्कार और मानवीय व्यवहार व्यक्ति को सदैव अमर बनाए रखते हैं। स्व. बिसरनिया वर्मा ने अपने परिवार और समाज के प्रति जो स्नेह, त्याग और सेवा का भाव रखा, वह सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

श्री वैश्य परिषद ने समाज के होनहार प्रतिभाओं का किया सम्मान

■ चार्टर्ड अकाउंटेंट, एमबीबीएस व इंजीनियरिंग में सफलता प्राप्त करने वाले युवा हुए सम्मानित

नगर संवाददाता ■ सतना

श्री वैश्य परिषद द्वारा कश्यप मैरिज हॉल में आयोजित सम्मान समारोह में समाज के होनहार एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा एवं प्रतिभा को प्रोत्साहित करना तथा युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर श्री वैश्य परिषद के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता के पुत्र बिपिन गुप्ता के चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने पर सम्मानित किया गया। वहीं बेनी माधव गुप्ता एवं वंदना गुप्ता की पुत्री डॉ. सृष्टि गुप्ता के एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करने पर सम्मान किया गया। साथ ही संगीता गुप्ता के पुत्र कंप्यूटर साइंस इंजी. सौरभ गुप्ता को इंजीनियरिंग क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने पर सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश सूखेजा एवं श्री वैश्य परिषद के अध्यक्ष कमलेश गुप्ता ने प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की युवा पीढ़ी अपनी मेहनत और लगन से नई ऊँचाइयाँ हासिल कर रही है, जो पूरे वैश्य समाज के लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों ने सम्मानित प्रतिभाओं को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कहा कि ऐसे सम्मान समारोह युवाओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने का कार्य करते हैं।

इस दौरान वैश्य महासम्मेलन प्रदेश उपाध्यक्ष हरिओम गुप्ता लखन लाल केसरवानी अशोक गुप्ता त्रिलोकीनाथ केसरवानी, वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्यामलाल गुप्ता (श्यामू), ओमप्रकाश केसरवानी, राधिका गुप्ता, श्रीनाथ गुप्ता, धनेश गुप्ता, कामता गुप्ता, गणेश गुप्ता, छबि गुप्ता, रामजी गुप्ता, महेश गुप्ता बनारसीलाल गुप्ता, श्याम सुंदर गुप्ता, बालकृष्ण केसरवानी बलराम गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता बेटू आशीष गुप्ता विजय गुप्ता, जे.पी. गुप्ता, डॉ. आर.एस. केसरवानी, सुनील गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन विनोद गुप्ता ने किया, जबकि अंत में त्रिलोकीनाथ केसरवानी ने सभी अतिथियों, व्यापारियों एवं उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया।

[सुविधा] अब धन के अभाव में नहीं रुकता गरीब का उपचार : गणेश सिंह

18 माह में 32 गंभीर रोगियों को मिली पीएम राहत कोष से 75.70 लाख की सहायता

नगर संवाददाता ■ सतना

गरीब का उपचार धन के अभाव में कभी न रुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इसी संवेदनशील एवं जनोन्मुखी दृष्टिकोण को साकार करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के माध्यम से सतना लोकसभा क्षेत्र के 32 गंभीर रूप से बीमार मरीजों को उपचार हेतु कुल 75 लाख 70 हजार की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह सहायता 09 दिसंबर 2024 से 09 जून 2026 की अवधि में विभिन्न प्रकरणों में प्रदान की गई है। सतना लोकसभा सांसद गणेश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र केवल एक नारा नहीं, बल्कि गरीब, पीड़ित और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में आशा का संचार करने वाला संकल्प है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के माध्यम से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे अनेक परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर केंद्र सरकार ने मानवता और संवेदनशील शासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष इस मानवीय सोच का सशक्त उदाहरण है, जिसने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को कठिन समय में उपचार का भरोसा और नया जीवन प्रदान किया है।

कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों से थे पीड़ित

सांसद गणेश सिंह ने बताया कि सतना व मैहर जिले से सहायता प्राप्त करने वाले 32 लाभार्थियों में 20 पुरुष एवं 12 महिलाएं शामिल हैं। इनमें लगभग 72 प्रतिशत मरीज कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। इसके अतिरिक्त रीनल ट्रांसप्लांट, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, एप्लास्टिक एनीमिया, कॉक्लियर इम्प्लांट, थैलेसीमिया मेजर तथा अन्य गंभीर उपचारों के लिए भी सहायता स्वीकृत की गई। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सतना लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक पात्र एवं जरूरतमंद नागरिक तक केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि गंभीर बीमारी की स्थिति में पात्र परिवार सांसद कार्यालय से संपर्क कर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष सहित उपलब्ध केंद्रीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

मनाई गई महाराजा अग्रसेन मंदिर निर्माण की द्वितीय वर्षगांठ

नगर संवाददाता ■ सतना

अग्रवाल नवयुवक मण्डल परिवार द्वारा माता महालक्ष्मी, माता माधवी एवं महाराजा अग्रसेन जी मंदिर निर्माण की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर श्रद्धा एवं उल्लास के साथ पूजन, हवन एवं स्वल्पाहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन एवं हवन से हुआ, जिसमें समाज के सभी लोगों ने आस्था के साथ सहभागिता की तथा मंदिर की उन्नति एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर हाल ही में विंध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारिणी में विजयी होकर निर्वाचित हुए अग्रवाल समाज के सभी सदस्यों का पुष्पमाला से सम्मान किया गया।

समाजजनों ने सभी विजयी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि समाज की एकजुटता, सेवा भावना एवं सामाजिक सहभागिता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के माध्यम से समाज में आपसी भाईचारा और सहयोग की भावना निरंतर मजबूत होती है। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित जनों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। आयोजन में बड़ी संख्या में अग्रबंधु एवं मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बना रहा।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ सेवाओं के निजीकरण के खिलाफ माकपा ने किया प्रदर्शन

रीवा। पूरे मध्यप्रदेश सहित रीवा जिले में सार्वजनिक स्वास्थ व्यवस्था की जर्जर हो रही स्थिति पर नियंत्रण करने के लिए ग्रामीण प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए शासकीय वजट बढ़ाकर डाक्टर, नर्सो, दवाओं, जांच उपकरणों की व्यवस्था करने के वजाय इस क्षेत्र को भी प्रदेश की सरकार निजी हांथो में सौपे जाने का निर्णय लिया है जिसका मार्क्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी ने कड़ा विरोध करते हुए कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौपा। पार्टी द्वारा सौपे गये ज्ञापन में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण रोकने, प्रदेश के तीन जिलो रीवा, गुना, देवश के 18 सामुदायिक केन्द्रों के निजीकरण करने का आदेश वापस लिये जाने, सभी सामुदायिक केन्द्रों पर डाक्टरों, नर्सो सहित सभी रिक्त पड़े पदों को भरने, सभी सरकारी अस्पतालो में आधुनिक जांच उपकरणों एवं दवाओं की समुचित व्यवस्था करने आदि मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। इससे पूर्व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए माकपा के राज्य सचिव मण्डल सदस्य प्रमोद प्रधान ने कहा कि सरकार की स्वास्थ को लेकर अपनाई गई गलत नीतियों के कारण पूरा प्रदेश बीमारी व कुपोषण का शिकार है। आन्दोलन में पार्टी के जिला सचिव अमित सोहगौरा, गिरजेश सिंह सेंगर, रामजीत सिंह, रामनरेश सिंह, भइयालाल त्रिपाठी, अभयराज सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजकुमारी को मिली पीएचडी की उपाधि

रीवा। शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, रीवा की सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (हिन्दी) डॉ. लता द्विवेदी के कुशल निर्देशन में शोधार्थी राजकुमारी पाण्डेय ने अपना शोध कार्य धूमिल की कविता में लोक जीवन और आत्म संघर्ष विषय पर सफलतापूर्वक पूर्ण कर डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्राप्त की है। डॉ. राजकुमारी पाण्डेय ने शैक्षणिक उपलब्धि के पीछे माता स्व. श्रीमती रामकली मिश्रा, पिता स्व. हीरालाल मिश्रा के विशेष आशीर्वाद का प्रतिफल बताया। सास श्रीमती सावित्री पाण्डेय, ससुर कमलेश प्रसाद पाण्डेय, पति पुष्पेन्द्र पाण्डेय, भाई उमेश द्विवेदी, बीडी मिश्रा, एवं भाभी प्रतिमा मिश्रा के अलावा सभी परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

श्रीधर को आचार्य परीक्षा में स्वर्णपदक मिला

रीवा। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा आचार्य परीक्षा 2025 वेद विषय में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शासकीय वेंकट संस्कृत महाविद्यालय रीवा के छात्र श्रीधर पाण्डेय को स्वर्णपदक प्रदान किया है। तत्संबंध में बताया गया है कि विगत दिवस उज्जैन में आयोजित विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश के महामहिम राज्यपाल मगूभाई पटेल एवं प्रदेश के उच्चशिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार, कुल गुरू शिवशंकर मिश्र के हाथो श्रीधर पाण्डेय को स्वर्णपदक एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

सहकारिता सभापति ने टीम के साथ गुढ़ क्षेत्र के औद्योगिक स्थलों का किया निरीक्षण

शिव नगरी औद्योगिक क्रांति के रूप में बनायेगा नई पहचानः डॉ. संगीता

■ रोजगार,निवेश सहित मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

नगर संवाददाता ■ रीवा

सहकारिता एवं उद्योग स्थायी समिति की सभापति डॉ. संगीता शर्मा,सदस्य देवेन्द्र शुक्ल तथा एमपीआईडीसी (मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के अधिकारियों अनिल सिंह एवं अभिलाष मिश्र के साथ रीवा जिले के गुढ़ तहसील में 78 हेक्टेयर में विकसित औद्योगिक क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण और आवंटित प्लॉट में स्थापित इकाई पाथ इंडस्ट्रीज, श्री साईं इण्डस्ट्रीज के निरीक्षण के दौरान युनिट प्रतिनिधियों से औद्योगिक क्षेत्र में आने वाली रोजगार ,निवेश सामाजिक दायित्व के साथ समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर लाइट पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता से सुनिश्चित कराने की बात कही गयी। सभापति डॉ. संगीता शर्मा ने कहा कि भगवान शिव की नगरी गुढ़ अब धार्मिक सांस्कृतिक स्थल के साथ आधुनिक औद्योगिक क्रांति के रूप में भी नई पहचान बनाएगा तथा प्रदेश में औद्योगिक भविष्य का नया केंद्र बनने के साथ रोजगार निवेश और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास तथा उद्योगों की स्थापना से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इससे न केवल स्थानीय युवाओं को अपने तहसील में ही रोजगार मिलेगा, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी।

उद्योगों में रोजगार के मापदण्डों का हो पालन,स्थानीय लोगों को मिले अवसर

डा.संगीता ने कहा कि हमारी उद्योग समिति लगातार औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करती है जिससे किसानो को अपनी उपज का बेहतर बाजार मिले और युवाओं के लिए रोजगार के नए आयाम पैदा होगे,नये उद्योग स्थापित होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि हमारी समिति लगातार खेती उद्योग और बाजार के बीच बेहतर समन्वय बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इस दौरान आवंटित प्लॉट में उद्योगों की स्थापना शीघ्र कराने के निर्देश अधिकारियो को देते हुए कहा कि उद्योगों में रोजगार के निर्धारित मापदंडों का पालन सुनिश्चित कराने के साथ स्थानीय लोगो को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने की बात कही। समिति के सदस्य देवेंद्र शुक्ल ने कहा कि नये उद्योग की स्थापना से उक्त क्षेत्रों में रोजगार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अवसर भी क्षेत्रवासियों को मिलेगा,वही लंबे समय से रोजगार की तलाश में अन्य शहरों की ओर पलायन करने वाले युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे साथ ही परिवहन, व्यापार, कृषि प्रसंस्करण एवं अन्य सहायक क्षेत्रों में भी विकास की संभावनाएं बढ़ेंगी।

डीएलएड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन जारी

नगर संवाददाता ■ रीवा

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की मिलाकर 20 विषयों की 42000 के लगभग कॉपियां मूल्यांकन के लिए भेजी गई हैं। प्रथम चरण में कुल 84 मूल्यांकनकर्ताओं को बुलाया गया है,जिसमें मूल्यांकन के दूसरे दिन तक 42 मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन कार्य हेतु उपस्थित हो चुके हैं। सभी मूल्यांकन कर्ताओं के उपस्थित न होने के कारण अभी मूल्यांकन कार्य में गति नहीं आई है। सहायक मूल्यांकन अधिकारी रजनीश द्विवेदी ने बताया की मंडल ने मूल्यांकन हेतु 20 जुलाई की डे लाइन तय की है। सभी मूल्यांकन कर्ताओं के सहयोग से समय पर मूल्यांकन कार्य पूरा कर लिया जायेगा। मूल्यांकन कार्य हेतु मूल्यांकन केंद्र पर व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मूल्यांकन कार्य हेतु विभिन्न विषयों के लिए 6 सुपर वाइजर बनाए गए हैं।

संगठन मंत्री के के रघुनंदन पहुंचे सिरमौर महाविद्यालय

नगर संवाददाता ■ रीवा

विद्या भारती उच्च शिक्षा के संगठन मंत्री के. के.रघुनंदन का यमुना प्रसाद शास्त्री महाविद्यालय सिरमौर रीवा प्रवास में महाविद्यालय में आगमन हुआ। उनके साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज किशोर तिवारी मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर महाविद्यालय के प्रोफेसर साक्षी पांडे द्वारा किया गया,महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर ओमप्रकाश द्विवेदी द्वारा श्रीफल शाल से सम्मानित किया गया। रघुनंदन ने महाविद्यालय परिवार के प्रति शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में आकर एक अलग अनुभव की अनुभूति हो रही है। कर्नाटक के रहने वाले रघुनंदन उच्च शिक्षा में विद्या भारती में संगठन मंत्री के रूप में कई वर्षो से कार्य कर रहे है। महाविद्यालय के डॉक्टर एसके दुबे,अशोक द्विवेदी,डॉक्टर प्रवीर चंद दुबे,विपुल मिश्रा ,एसपी शुक्ला, एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्व वसूली प्रगति की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

सम्पत्ति कर जमा न करने वाले बकायादारों के खिलाफ करें कुर्की की कार्यवाही

नगर संवाददाता ■ रीवा

नगर निगम रीवा सहायक आयुक्त एवं प्रभारी राजस्व अधिकारी रामनरेश तिवारी ने बुधवार को निगम सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित कर जोन क्रमांक 2 एवं जोन क्रमांक 4 की राजस्व वसूली प्रगति का विस्तृत समीक्षा की। बैठक में वार्ड प्रभारियों को राजस्व संग्रहण में अपेक्षित तेजी लाने तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने ने सभी वार्डों के डिमांड रजिस्टर की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि डिमांड रजिस्टर को नियमित रूप से अपडेट रखे। साथ ही उन्होंने मोबाइल नंबरों के सत्यापन एवं अपडेशन पर जोर देते हुए कहा कि जिन संपत्तियों में मोबाइल नंबर दर्ज नहीं हैं अथवा गलत अंकित हैं, उन्हें शीघ्रता से सुधारकर शत-प्रतिशत अपडेट किया जाए। बैठक में राजस्व वसूली की प्रगति की वार्डवार समीक्षा करते हुए कम प्रगति वाले वार्ड प्रभारियों फटकार लगाते हुए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर करदाताओं से संपर्क स्थापित करें तथा वसूली प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ऐसे भवनों का सर्वे कर डिमांड रजिस्टर को अपडेट कर ले जो अभिलेखों में आवासीय श्रेणी में दर्ज हैं, किंतु वर्तमान में उनमें किरायेदार निवास कर रहे हैं अथवा व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। ऐसे भवनों को नियमानुसार व्यावसायिक श्रेणी में दर्ज कर वास्तविक उपयोग के आधार पर कर निर्धारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने लंबे समय से संपत्ति कर जमा न करने वाले बड़े बकायादारों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कुर्की की कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक राजस्व अधिकारी निलेश चतुर्वेदी, राजस्व उप निरीक्षक सुधांशु विश्वकर्मा, मोहम्मद अली, एवं अन्य राजस्व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसो.ने बैठक में लिया निर्णय

22 को भोपाल धरने में शामिल होंगे रीवा के पेंशनर्स

नगर संवाददाता ■ रीवा

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसियेशन म.प्र. भोपाल के आव्हान पर आगामी 22 जुलाई 2026 को प्रदेश भर से हजारों की संख्या में पेंशनर्स भोपाल के अम्बेडकर पार्क मैदान माता मंदिर के पास धरना आन्दोलन में सम्मिलित होंने की तैयारी कर रहे है, इस संबंध में रीवा जिले के संघ कार्यालय कोठी कम्पाउण्ड रीवा में पेंशनरों की बैठक आयोजित की गई, जिसे सम्बोधित करते हुए जिला शाखा रीवा के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ उपप्रान्ताध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि रीवा जिले के तहसील एवं विकासखण्ड मुख्यालय से काफी संख्या में पेंशनर 21 जुलाई को रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल के लिए रवाना हो रहे हैं। जिसके लिए सभी ने ट्रेन में अपना-अपना आरक्षण करा लिया है। पेंशनरों की 6 सूत्रीय मांगे रखी गयी हैं जिनमें वर्षो से लंबित धारा 49(6) के तहत् हर वर्ष पेंशनरों की महंगाई राहत में काफी नुकसान हो रहा है।

8-10 महीने बाद पेंशनरों को महंगाई राहत का आदेश होता है और यह राशि एरियर के रूप में हो जाती है जिसका पेंशनरों को भुगतान नहीं किया जाता। बैठक के दौरान रावेन्द्र प्रसाद दुबे, नरेन्द्र कुमार गौतम, गिरीश कुमार शुक्ल, एवं मोसिन खांन ने एसोसियेशन की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में रामगोपाल मिश्रा, वंशगोपाल त्रिपाठी, यदुवीर द्विवेदी, सिद्धमुनि पाण्डेय, दामोदर प्रसाद प्यासी, उमाकान्त तिवारी, न्याजुल्ला खांन, हीरामणि मिश्र, रामसिरोमणि द्विवेदी, विश्वनाथ सोधिया, राजकिशोर तिवारी, बी.एस. पटेल, सीताराम तिवारी, उर्मिला प्रसाद उपाध्याय, रूप कुमार पुरवार, बसन्तलाल तिवारी, मो. कयूम खांन, मो. बली खान, मो. जमील खांन, रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी, रामसखा पटेल आदि उपस्थित रहें।

किसान संघर्ष समिति ने बनाई रणनीति

जुलाई-अगस्त में एसकेएम करेगा बड़ा आंदोलन

नगर संवाददाता ■ रीवा

अमेरिकी भारत व्यापार ट्रेड डील रद्द कराने एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने आदि तमाम राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर एसकेएम ने राष्ट्रीय स्तर पर जुलाई अगस्त महीने में आंदोलन की लंबी रणनीति तैयार की है। उक्त जानकारी देते हुए एसकेएम के नेता किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता एड शिव सिंह ने बताया कि किसान संघर्ष समिति की एक बैठक ऋतुराज पार्क रीवा में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष फौजी यदुवंश प्रताप सिंह ने की। बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल जिला अध्यक्ष मऊगंज अजय पटेल कार्यकारी अध्यक्ष लोकनाथ पटेल सेमरिया अध्यक्ष फौजी चक्रधर सिंह जिला सचिव अनिल मिश्रा पूर्व सरपंच सीताराम सिंह सचिव मोहम्मद तौहीद शिवनाथ सिंह बघेल धर्मेंद्र सिंह रामदीन सिंह अवधशरण साकेत वीरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे। बैठक में एसकेएम के आवाहन पर 22 जुलाई को देशभर में एफटीए विरोधी किसान संकल्प दिवस मनाने का ऐलान साथ ही 28 जुलाई को दिल्ली में सम्मेलन तथा 29 जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चा एवं केंद्रीय श्रमिक संगठनों के सम्मेलन में बड़ी भागेदारी के साथ भारत अमरीका ट्रेड डील के हस्ताक्षर होने के अगले दिन बड़े आंदोलन की कार्यवाही तथा 10 अगस्त को किसानों से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रभावशाली आंदोलन चलाए जाने की रणनीत तैयार की गई।

शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की पहल

अस्पताल चौक से होगी कार्ययोजना की शुरुआत

नगर संवाददाता ■ रीवा

निगम आयुक्त अक्षत जैन ने बुधवार को शहर के सर्वाधिक व्यस्त अस्पताल चौक का भ्रमण कर वहां उपलब्ध नागरिक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री जैन ने शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नागरिक सुविधाओं को अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के तहत पायलट पहल के तहत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए । इसके अंतर्गत ऐसे प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, चौराहों एवं क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में आम नागरिक, विभिन्न वर्गों के लोग, बाहर से आने वाले आगंतुक, मरीज, व्यवसायी एवं अन्य हितग्राही अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छता, पेयजल, यातायात प्रबंधन, अतिक्रमण नियंत्रण तथा अन्य मूलभूत नागरिक सुविधाओं की सुलभ एवं सतत व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस पहल के तहत पायलट क्षेत्र के रूप में शहर के सर्वाधिक व्यस्त अस्पताल चौक का चयन कर निगम आयुक्त अक्षत जैन ने बुधवार को अस्पताल चौक क्षेत्र का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा वहां नागरिक सुविधाओं को और अधिक व्यवस्थित एवं सुगम बनाने के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने ड्रॉप एंड गो प्वाइंट विकसित होगा

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल चौक के समीप स्थित खाली भूखंड पर लेबर स्टैंड एवं ऑटो स्टैंड विकसित करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे वहां सुबह उपस्थित श्रमिकों एवं ऑटो चालकों के लिए व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जा सके तथा सड़क पर अनावश्यक भीड़भाड़ की स्थिति न बने। साथ ही अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने ड्रॉप एंड गो प्वाइंट विकसित करने की योजना तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे चौक पर भीड़ एवं यातायात जाम की स्थिति को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सके।

आश्रय स्थल, दीनदयाल रसोई की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

निगम आयुक्त ने अस्पताल चौक के आसपास संचालित ठेला-गुमटियों का सर्वे कर सूची के अनुसार उनकी सीमा निर्धारित करते हुए उन्हें सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्रय स्थल का निरीक्षण करते हुए निर्देशित किया कि वहां दैनिक पंजी नियमित रूप से संधारित की जाए, सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए आश्रय स्थल का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा परिसर में स्थापित सभी सीसीटीवी कैमरे निरंतर क्रियाशील रहें। निगम आयुक्त ने दीनदयाल रसोई का भी निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने भवन के रंगरोगन एवं नवीनीकरण का कार्य शीघ्र प्रारंभ कर वहां आने वाले हितग्राहियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि अस्पताल चौक क्षेत्र में प्रातःकालीन पाली में जलापूर्ति एवं स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा इन व्यवस्थाओं की नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को प्रत्येक समय स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

अतिक्रमण विरोधी दल सक्रिय रूप से अभियान चलाये

निगम आयुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा सायं 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक अतिक्रमण निरोधक दल सक्रिय रूप से अभियान संचालित करेगा। इस दौरान सड़क एवं फुटपाथ पर किए गए अस्थायी अतिक्रमणों को हटाकर यातायात को सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध बनाए रखने की कार्रवाई की जाएगी। भ्रमण के दौरान उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, सिद्धार्थ सिंह, सहायक यंत्री पी एन शुक्ला,राजेश चतुर्वेदी, कमलेश्वर सिंह, अभिनव चतुर्वेदी स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार, दीपक सिंह तोमर सिटी मिशन मैनेजर अभिमन्यु सिंह के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला श्रृंगार सामाग्री पुरुषों को देकर उन्हें अपमानित करना उचित नहींः नारी चेतना मंच

नगर संवाददाता ■ रीवा

नगर पालिक निगम रीवा पार्षद बैठक में गत दिवस भाजपा महिला पार्षदों के द्वारा नगरीय प्रशासन की कार्य प्रणाली के विरोध में निगम आयुक्त एवं अन्य अधिकारियों को चूड़ियां बिंदी देने का जो अभद्र तरीका अपनाया उस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नारी चेतना मंच एवं समता सम्पर्क अभियान ने इसे शर्मनाक और आपत्तिजनक बताया है। महिलाओं की श्रृंगार सामग्री और पहनावे को कायरता का प्रतीक मानकर उन्हें पुरुषों को देना बहुत हास्यास्पद और शर्मनाक बात है। वर्तमान दौर में केंद्र और राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार है। 15 महीने का समय छोड़ दें तो प्रदेश में 2003 से भाजपा शासन है। लंबे समय तक नगर पालिक निगम रीवा पर भी इनका कब्जा रहा है। चूड़ी बिंदी का यह विरोध प्रदर्शन पहली बार नही हुआ है। प्रदेश में जब कांग्रेस की कमलनाथ सरकार थी तब 16 अक्टूबर 2019 को रीवा में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं के द्वारा चुनाव चिन्ह कमल के साथ नगर निगम आयुक्त सभाजीत यादव को उनके कक्ष के अंदर जाकर साड़ी चूड़ियां देने और चूड़ियां फोड़ने का उपद्रव किया गया था। उस समय भी ऐसी घटना पर नारी चेतना मंच ने नाराजगी जताई थी। चूड़ियां भारतीय महिलाओं का श्रृंगार और आभूषण है जिसे किसी भी पुरुष को देकर उसे अपमानित करने की सोच बहुत शर्मनाक है। भारतीय परम्परा में वैसे भी चूड़ियां फोड़ना अच्छी बात नहीं मानी गई है। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि यदि किसी का राजनीतिक विरोध करना है तो काले झंडे के साथ नारेबाजी करके लोकतांत्रिक प्रदर्शन किया जा सकता है।

संपादकीय

विकास ने ओढ़ा घूंघट

बरसात की तैयारियों में पिछले जख्म सता रहे, जबकि घूंघट ओढ़े विकास के मुहाने गर्दन छुपा रहे। चंबा-भरमौर एनएच पर पहाड़ी से गिरकर चट्टान ने बस को शिकार बना लिया, तो एक यात्री की मौत हो गई। बरसात आने की खबरें अगर दुर्घटनाएं दे रही हैं, तो हिमाचलवासियों के मुगालते उन्हीं के खिलाफ खड़े हैं। मटौर-कांगड़ा के बीच सैकड़ों वाहनों की आवाजाही पर आदेश यह कि सड़क के किनारे खोद दिए और अब फिसलती बसें या दो पहिया वाहनों के लिए बचके निकलना मुश्किल हो रहा है। बरसात में बचके निकलने की प्रतियोगिता चलती है और अब यह दौर पुनः दोहराया जाएगा।

पिछली बरसात के जख्म फिर एक बार आसमान से भयभीत हैं, तो फोरलेन कार्यों की बढ़ती अवधि ने खेल बिगाड़ा है। नूरपूर, मलां, ज्वालाजी, शिमला, कुल्लू या मलां-पालमपुर की तरफ वाहनों की कसरतें जानलेवा मुसीबत में फंसी हैं। कांगड़ा से पुरानी सुरंग तक सफर अगर बदनुमा धब्बा है, तो फोरलेन पर रियूंड का पुल निर्माण का रहस्य जारी है। कब जसूर और मलां के फलाईओवर अपनी वास्तविक संरचना के गीत गाएंगे, कोई नहीं जानता। वहां जफर का दुख और अमीर खुसरो के सूफी अंदाज में वर्णन करें या यह देखें कि हिमाचल भरी बरसात में कौन सा राग गाएगा। धर्मशाला की पिछली बरसात ने बाइपास व खड़ा डंडा मार्ग को निगला, तो सुधेड़-चड़ी मार्ग की चौड़ाई में भूस्खलन की दीवार खड़ी हो गई। साल भर वाहन रेंगते रहे, तो अब हालात की दुश्मन बारिश का क्या भरोसा कि कब चीर के रख दे। इस दौरान अदालतें बोलती रहीं, जनता फरियाद करती रही, मगर दामन की सिसकियां अब पुनः लाचार व मायूस हैं। आखिर भूस्खलन राज्य की बदनसीबी में परिवर्तित क्यों हो रहा है, तो दर्द के कई बही खाते, केंद्र सरकार को कोसेंगे।

देश के प्रधानमंत्री ने पिछली बरसात के आंसू पोंछने के लिए जिन पंद्रह सौ करोड़ की घोषणा की थी, वे रुपए कौन सी सियासत ने लूट लिए। त्रासदी का इससे बड़ा उपहास और क्या होगा कि देश के मुखिया की घोषणा ही पूरी नहीं हुई। जलाधिकारों के राजनय पर सिंधु जल संधि से पाकिस्तान का जीना हराम हो सकता है, तो देश के पर्वतीय राज्यों को जल शक्ति का सम्मान जरूरी है। हिमाचल की बांध परियोजनाएं लबालब होंगी तो, वाटर गेट खोल कर पंडोह का उफनता पानी कब तक नूरपुर के खेतों को डुबोएगा। बरसात अगर पानी का भंडारण करती है, तो पहाड़ से मैदान तक के रिश्तों की हिफाजत की सूचना भी तो है। यह केंद्रीय संसाधनों का बंटवारा है, जो पानी को केवल राष्ट्रीय जरूरत में देखता, लेकिन मुसीबत को यह नहीं बांटता। हिमाचल की वन भूमि के कारण सड़क निर्माण, बरसात का रिसाब और पानी का हिसाब नहीं होने देता। जंगल को अगर जंगल होना है तो इसे गर्मियों में आग, बरसात में बाढ़ तथा भूस्खलन रोकना होगा। पर्वतीय राज्यों को बरसात के महीने इमरजेंसी में गुजारने की शक्ति केवल केंद्र ही दे सकता है। इसके लिए अनुकूल अध्ययन, शोध, संरचना और अधोसंरचना की जरूरत है ताकि फोरलेन सरीखी परियोजनाएं, सुरंग परियोजनाएं, विमान सेवाएं तथा रेलवे विस्तार अति सुरक्षित हो, वरना पहाड़ियां ढहती रहेंगी और द्रमण से सिहुंता-चुवाड़ी, पांवटा से शिलाई, रोहड़ू से चौपाल कुल्लू से आनी और निरमंड के बीच रास्तों पर मलबे के ढेर लोगों को जीने नहीं देंगे। ऐसे में सभी विभागों के तालमेल और रणनीतिक कौशल से ही ये तीन महीने आसानी से गुजर पाएंगे।

मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार

मिलावट है भारत के सपनों पर विषनुमा दाग

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बन चुका है। आधुनिक राजमार्ग, बुलेट ट्रेन, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष में नई उपलब्धियां और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रगति निश्चय ही गौरव का विषय हैं। लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा कलंक है, जो इस समस्त प्रगति के माथे पर काले धब्बे की तरह दिखाई देता है-मिलावट। यह केवल खाद्य पदार्थों में मिलावट नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व में आई मिलावट का भी प्रतीक है। यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि एक ओर चिकित्सक रोगियों को स्वास्थ्य लाभ के लिए दूध, घी, फल, पनीर और पौष्टिक आहार लेने की सलाह देते हैं, वहीं दूसरी ओर बाजार में वही दूध डिटर्जेंट और यूरिया से भरा मिलता है, घी में जानलेवा रसायन मिलते हैं, फलों को जहरीले रसायनों से पकाया जाता है और दवाइयों तक में नकलीपन प्रवेश कर चुका है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर स्वस्थ जीवन की आशा किससे की जाए? नये भारत, विकसित भारत एवं मजबूत भारत का सबसे बड़ा हो-मिलावट-मुक्त भारत।

यह विडंबना केवल उपभोक्ता की नहीं, पूरे राष्ट्र की है। जिस देश की संस्कृति 'अन्नं ब्रह्म' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का संदेश देती हो, वहां भोजन ही यदि विष बन जाए तो इससे बड़ी त्रासदी और क्या हो सकती है? हाल के ही दिनों में देश के विभिन्न भागों से मिलावट के अनेक भयावह मामले सामने आए हैं। कहीं हजारों लीटर नकली दूध पकड़ा जाता है, कहीं करोड़ों रुपये का नकली शहद, कहीं मिलावटी घी, मावा और मसाले बरामद होते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जीवन बचाने वाली दवाइयों में भी नकली और घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। जो व्यक्ति लाभ कमाने के लिए किसी बच्चे, गर्भवती महिला, वृद्ध या बीमार व्यक्ति के भोजन और दवा में जहर घोल देता है, वह केवल व्यापारी नहीं, समाज का अपराधी है।

दरअसल, मिलावट का सबसे बड़ा कारण केवल आर्थिक लालच नहीं, बल्कि नैतिक पतन है। पहले समाज में यह भावना थी कि दूसरों को कष्ट देकर कभी सुख नहीं मिल सकता। लोग ईश्वर, धर्म और समाज की नैतिक मर्यादाओं से डरते थे। आज परिस्थितियां बदल गई हैं। त्वरित धन अर्जित करने की अंधी दौड़ ने संवेदनाओं को कुचल दिया है। अब कुछ लोगों के लिए मुनाफा ही धर्म बन गया है, चाहे उसकी कीमत किसी की जान क्यों न हो। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास का भी प्रश्न है। मिलावटी खाद्य पदार्थ कैंसर, किडनी, लीवर, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन और बच्चों में कुपोषण जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी बोझ बढ़ता है, परिवार आर्थिक संकट में फंसते हैं और राष्ट्र की उत्पादक क्षमता प्रभावित होती है। दूसरी ओर, जब भारतीय खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारी विश्वसनीयता भी कमजोर होती है। विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों और तेज आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा; उसके लिए स्वस्थ नागरिक और शुद्ध खाद्य व्यवस्था अनिवार्य है।

विडंबना यह भी है कि हमारे यहां कानून तो हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, निरीक्षण तंत्र और विभिन्न एजेंसियां मौजूद हैं, फिर भी मिलावट का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार, निरीक्षण व्यवस्था की कमजोरी, मुकदमों में देरी और दंड का अभाव है। त्योहारों पर कुछ छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई करके प्रशासन अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है, जबकि बड़े नेटवर्क अक्सर बच निकलते हैं। जब तक दोषियों को त्वरित और कठोर दंड नहीं मिलेगा, तब तक यह विषैला कारोबार समाप्त नहीं होगा। आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। हर जिले में आधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित हों। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब गांव-गांव और शहर-शहर पहुंचें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक हर स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की जाए। नकली दवाइयों और मिलावटी खाद्य पदार्थों के मामलों के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएं, ताकि कुछ महीनों के भीतर दोषियों को सजा मिल सके। ऐसे अपराधों को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि 'जनस्वास्थ्य के विरुद्ध जघन्य अपराध' घोषित किया जाना चाहिए। लेकिन केवल सरकार सब कुछ नहीं कर सकती। समाज की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। उपभोक्ताओं को जागरूक बनना होगा। प्रमाणित उत्पादों का उपयोग, संदिग्ध वस्तुओं की शिकायत, स्थानीय स्तर पर जन-जागरण अभियान और विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा नैतिक शिक्षा का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज मिलावट को केवल अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक बहिष्कार योग्य कृत्य मानने लगे, तो इस बुराई पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं होता। विकसित राष्ट्र वह है जहां नागरिक बिना भय के भोजन कर सकें, जहां दवा जीवन बचाए, जहां व्यापार विश्वास पर आधारित हो और जहां ईमानदारी आर्थिक सफलता का आधार बने। जापान, जर्मनी और अनेक विकसित देशों की सफलता का रहस्य केवल तकनीक नहीं, बल्कि गुणवत्ता और नैतिक अनुशासन भी है। भारत यदि विश्वगुरु बनने का स्वप्न देखता है, तो उसे सबसे पहले अपने बाजार को विश्वास का बाजार बनाना होगा। आज आवश्यकता एक नए राष्ट्रीय अभियान की है-'मिलावट-मुक्त भारत अभियान'। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन की शुरुआत की, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा किया जाना चाहिए। यह केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनचेतना का अभियान बने। प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह न मिलावट करेगा, न मिलावट को बढ़ावा देगा और न ही मिलावट करने वालों को सामाजिक सम्मान देगा।

हमें यह भी समझना होगा कि मिलावट केवल किसी दूसरे के परिवार को नहीं, अंततः पूरे समाज को नुकसान पहुंचाती है। जो व्यापारी आज मिलावट कर रहा है, उसका अपना परिवार भी इसी समाज में रहता है। उसके बच्चे भी इसी हवा में सांस लेते हैं, इसी बाजार से वस्तुएं खरीदते हैं। इसलिए मिलावट वास्तव में दूसरों के लिए नहीं, अपने ही भविष्य के लिए जहर तैयार करना है। स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2047 का भारत तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब उसकी पहचान केवल आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि शुद्धता, विश्वसनीयता और नैतिकता से होगी। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां दूध में दूध हो, दवा में दवा हो, भोजन में जीवन हो और व्यापार में विश्वास हो। यही सच्चे अर्थों में आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी।

भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और सर्वे भवन्तु सुखिनः की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। आज समय हमें पुकार रहा है कि हम विकास की ऊंची इमारतों के साथ चरित्र की मजबूत नींव भी रखें। यदि मिलावट समाप्त नहीं हुई, तो हमारी सारी प्रगति खोखली सिद्ध होगी। इसलिए सरकार कठोर कानून बनाए, प्रशासन निर्भीक कार्रवाई करे, न्यायपालिका त्वरित दंड सुनिश्चित करे और समाज नैतिक जागरण का बिगुल फूंके। आइए, आज ही संकल्प लें-'शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार। मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार।' यही संकल्प 2047 के भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक, स्वस्थ और विश्वसनीय राष्ट्र भी बनाएगा।

मंदिर प्रशासन के लिए राष्ट्रीय कानून

आस्था की स्वतंत्रता और पारदर्शिता के बीच संतुलन का समय

भूपेन्द्र गुप्ता

लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं

भारत में मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं हैं, वे हमारी सांस्कृतिक परंपरा, सामाजिक जीवन और जनआस्था के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इन मंदिरों के पास हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति, भूमि और दान की व्यवस्था होती है। ऐसे में यह प्रश्न समय-समय पर उठता रहा है कि इन संस्थाओं के वित्तीय और प्रशासनिक प्रबंधन के लिए क्या एक समान राष्ट्रीय व्यवस्था होनी चाहिए?

दक्षिण भारत में मंदिरों के प्रशासन के लिए बने हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती कानूनों का उद्देश्य यही था कि मंदिरों की संपत्ति सुरक्षित रहे, आय का सही उपयोग हो और प्रबंधन में जवाबदेही बनी रहे। 1951 के मद्रास हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती कानून के बाद यह व्यवस्था विकसित हुई कि धार्मिक आस्था और पूजा-पद्धति में हस्तक्षेप किए बिना मंदिरों के प्रशासनिक और वित्तीय पक्ष को नियमन के दायरे में रखा जा सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने भी Shirur Mutt Case में स्पष्ट किया था कि संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है, लेकिन धार्मिक संस्थाओं के धर्मनिरपेक्ष प्रशासन-जैसे संपत्ति प्रबंधन, लेखा और वित्तीय व्यवस्था-को राज्य नियंत्रित कर सकता है। यही सिद्धांत आज भी महत्वपूर्ण है।

वर्तमान समय में देशभर के मंदिर अलग-अलग व्यवस्थाओं के अंतर्गत संचालित होते हैं। कहीं राज्य सरकारों के देवस्थान बोर्ड हैं, कहीं स्वतंत्र ट्रस्ट हैं और कहीं परंपरागत प्रबंधन व्यवस्था है। इस अलग-अलग व्यवस्था के कारण कई बार विवाद उत्पन्न होते हैं। मंदिरों की संपत्ति, दान की पारदर्शिता, नियुक्तियों और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर प्रश्न उठते रहते हैं।

ऐसे में केंद्र सरकार के सामने यह विचार रखा जा सकता है कि क्या एक ऐसा राष्ट्रीय कानून बनाया जाए जो सभी धार्मिक संस्थाओं पर नियंत्रण स्थापित करने के बजाय केवल वित्तीय पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही के न्यूनतम मानक तय करे।

इस प्रकार के कानून का उद्देश्य मंदिरों की धार्मिक स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं होना चाहिए। पूजा-पद्धति, धार्मिक परंपराएँ और आध्यात्मिक निर्णय पूरी तरह संबंधित धार्मिक संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र में रहने चाहिए। लेकिन दान का हिसाब, संपत्ति का रिकॉर्ड, वार्षिक ऑडिट, बड़े आर्थिक निर्णय और प्रशासनिक प्रक्रियाएँ ऐसी व्यवस्थाएँ हैं जिनमें पारदर्शिता सार्वजनिक हित से जुड़ी हुई है।

ऐसा कानून बनने से एक अन्य महत्वपूर्ण लाभ हो सकता है-न्यायपालिका पर पड़ने वाला अनावश्यक दबाव कम हो सकता है। आज अनेक मामलों में मंदिरों के प्रबंधन, संपत्ति और प्रशासन से जुड़े विवाद अदालतों तक पहुँचते हैं। यदि स्पष्ट नियम, स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था और पारदर्शी प्रक्रिया पहले से निर्धारित हो, तो न्यायालयों को बार-बार प्रशासनिक मामलों में हस्तक्षेप करने की आवश्यकता कम होगी।

यहाँ यह भी आवश्यक है कि किसी भी नए कानून का स्वरूप संतुलित हो। यदि मंदिर प्रशासन के नाम पर अत्यधिक सरकारी नियंत्रण स्थापित किया गया तो यह धार्मिक स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकारों पर प्रश्न खड़े कर सकता है। इसलिए बेहतर रास्ता प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं, बल्कि स्वतंत्र नियामक व्यवस्था हो सकती है।

एक राष्ट्रीय मॉडल में निम्न प्रावधान शामिल किए जा सकते हैं-

सभी बड़े धार्मिक संस्थानों के लिए अनिवार्य वार्षिक ऑडिट।

आय और व्यय का सार्वजनिक विवरण।

संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड।

दान प्रबंधन के लिए पारदर्शी प्रक्रिया।

स्वतंत्र शिकायत निवारण व्यवस्था।

प्रबंधन समितियों की स्पष्ट जवाबदेही।

धार्मिक मामलों और प्रशासनिक मामलों के बीच स्पष्ट विभाजन।

ऐसा कानून केवल हिंदू मंदिरों तक सीमित हो या सभी धर्मों के बड़े धार्मिक संस्थानों के लिए समान सिद्धांत लागू करे-यह भी व्यापक संवैधानिक बहस का विषय हो सकता है। लोकतंत्र में किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता का सम्मान आवश्यक है, लेकिन जहाँ सार्वजनिक दान और बड़ी संपत्तियाँ जुड़ी हों, वहाँ जवाबदेही भी उतनी ही आवश्यक है।

राम मंदिर जैसे राष्ट्रीय महत्व के धार्मिक स्थल के संदर्भ में यह बहस और महत्वपूर्ण हो जाती है। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े संस्थान यदि पारदर्शिता और सुशासन का उदाहरण बनते हैं, तो इससे धार्मिक विश्वास और मजबूत होगा।

समय की मांग यह नहीं है कि सरकारें मंदिर चलाएँ, बल्कि यह है कि धार्मिक संस्थाएँ भी आधुनिक प्रशासन, वित्तीय अनुशासन और सार्वजनिक विश्वास के मानकों पर खरी उतरें। आस्था और पारदर्शिता विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे की पूरक हो सकती हैं।

एक संतुलित राष्ट्रीय कानून इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है-जो मंदिरों की गरिमा बनाए रखे, श्रद्धालुओं का विश्वास बढ़ाए और न्यायपालिका को अनावश्यक विवादों से मुक्त करे।

जांच तो होनी चाहिए

संतोष उत्सुक

गहन जांच का सख्त हुक्म होता है तो उसमें किसी तरह की राजनीति हो नहीं सकती क्यूंकि जांच के गर्भ में महत्त्वपूर्ण फैसला छिपा होता है। जांच के आदेश में जन भावना का सम्मान दिखता है। यह तो जांच होने के बाद ही पता चलता है कि जांच में क्या निकला और क्या नहीं निकला। कुछ को लगेगा जांच में यह नहीं निकला, वह तो बिलकुल नहीं निकलना चाहिए था। विद्वान व्यक्ति बता दिया करते हैं कि फलां जांच में कुछ ऐसा निकलना चाहिए था। समझदार लोगों का मत होता है कि जांच के आदेश से विपक्ष के झूठ और भ्रम पर रोक लगनी शुरू हो जाती है। उनके अनुसार राजपक्ष से सम्बंधित, मुश्किल से चुनाव जीत कर आए नेताओं को बदनाम करना शुरू हो गया था इसलिए जांच बिठानी पड़ी। बदनामी को दुर्भाग्यपूर्ण माना जाता है और जांच शुरू होने को शुभ मानते हुए कहा जाता है कि जांच जैसे पवित्र कार्य से सचाईजी, पूरी तरह सुसज्जित होकर सबके सामने खड़ी हो जाएंगी।

व्यंग्य

जांच किया जाना अच्छी बात है इसलिए तो जांच के निर्णय का स्वागत किया जाता है। यह बात दीगर है कि जांच होने के बाद निकलता क्या है। यह ठीक वैसा ही है कि गर्भ की जांच नहीं की जाती, डिलीवरी के बाद ही राज़ खुलता है। हालांकि अभिभावक मन्नतें मानते रहते हैं कि किसी तरह लड़का ही पैदा हो लेकिन हर तरह से लडकी ही पैदा हो जाती है। उस तरह की जांच के आदेश मात्र से एंटी सोशल मीडिया पर छाए तमाम वीडियो और दूसरे सामाजिक मंचों से फ़ैल रहे भ्रम और अराजकता का जो माहौल खड़ा किया जा रहा होता है उसका निर्माण गैर कानूनी ईमारत के निर्माण की तरह रुक जाता है। जांच उचित तरह से हो जाए तो जनता को बरगलाने वाले कुछ समय के लिए तो बेनकाब हो जाते हैं, क्या कहा करते हैं कि दूध का दूध पानी का पानी हो जाता है।

दिलचस्प यह है कि आजकल निरंतर प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले, बड़े आकार के शहरों का पानी भी महादूषित और जानलेवा होने लगा है जिसकी जांच भी करने लायक है। दूध तो इतना उपलब्ध है जितने पशु नहीं हैं। अगर ऐसे मामलों में जांच घोषित हो तो जनता अपनी जीत समझ लेगी और मस्त रहेगी । वह बात अलग है कि जांच कई साल पकाने के बाद परिणाम का हलवा उन्हें स्वादिष्ट नहीं लगेगा। जांच करने वालों की विश्वसनीयता, ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं लेकिन क्या फ़र्क पड़ता है सवाल उठाए जाएं या बिठा दिए जाएं। असली बात तो जवाबों में होती है। किसी ने लिखा भी है, जवाब जिनका नहीं वो सवाल होते हैं। आम जनता तो सवालों से ही खुश हो जाती है। कुछ ख़ास लोग जांच के परिणामों का इंतज़ार करते रहते हैं। सवालों के न दिए जा सकने वाले जवाब चाहते रहते हैं। ख़ास सवाल जब जांच में फंस जाएं तो जवाबों के रंग ढंग सब बदल जाते हैं। जांच करने वाले भी सोचते तो होंगे कि कैसे कैसे संगीन मामलों की जांच को, बेचारी कर देना पड़ता है। जांच का फैसला दर्जनों पृष्ठ का होता है लेकिन दोषी परेशान नहीं दिखते। यही तो जांच की अच्छी बात होती है।

साहब को कार्पोरेट कार्यालय से बाहर आना होगा

पं. नरेश शर्मा

राज्य पुलिस सेवा, सेवानिवृत नगर पुलिस अधीक्षक,जबलपुर

यह स्वीकार्य तथ्य है कि पूर्ववर्ती अधिकारी (प्रेडिसेसर) को अपने उत्तराधिकारी (सक्सेसर) में अनेकानेक त्रुटियां परिलक्षित होती हैं किंतु यह भी सत्य है कि वर्तमान में पुलिस कार्यप्रणाली में उत्तरदायित्वहीनता का प्रसार हुआ है । मैं शहर जबलपुर के बेलबाग,ओमती,कोतवाली, लॉर्डगंज, घमापुर, गढ़ा एवं कैंट थानों में निरंतर लगभग 14 वर्ष (1997-2911) तक थाना प्रभारी निरीक्षक के दायित्व का निर्वाह कर चुका हूँ । उस कालखंड में इन थानों में एक पंजी का संधारण किया गया था । जिसमें थाना क्षेत्र के स्कूल्स,कॉलेजेस की सूची, उनके प्रारंभ होने व अवकाश होने के समय आदि की जानकारी सहित अन्य प्रविष्टियां अंकित हुआ करती थी। विशेष कर कन्याओं से संबंधित शिक्षण संस्थाओं एवं कोचिंग सेंटर्स आदि की।

उक्त समय पर उपलब्ध बल उन संस्थानों पर लगाया जाता था। चीता, टाइगर के अलावा थाना प्रभारी भी निरंतर चिन्हित स्थानों का भ्रमण करते थे। आवश्यकता अनुसार शोहदों की ताजपोशी भी की जाती थी। छात्रायें अपनी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त थीं। उनके मुख मंडल पर संतोष के भाव स्पष्ट रूपेण परिलक्षित होते थे। किसी भी तत्व में साहस नहीं होता था कि कोई अवांछनीय हरकत कर जाए।

यह सब आज भी सरलता से संभव है इस हेतु साहब (थाना प्रभारी) को अपने सुविधायुक्त कार्पोरेट कार्यालय से बाहर आना होगा । भावना यह होना चाहिए कि -

हम सजग राष्ट्रमके प्रहरी,
किया देश पर जीवन अर्पित ।
हमने तुम्हारे कल के खातिर,
किया अपना आज समर्पित ।।

नियम-कानून ना मानने वालों का कैसा संवैधानिक अधिकार!

नाबालिग से बलात्कारियों की सजा फांसी तय हो

मनोज कुमार द्विवेदी

अनूपपुर ,मप्र

दिल्ली के निर्भया काण्ड के बाद आज भी देश मे कुछ भी नहीं बदला है। समाज मे छुपे भेडिये और उन्हे बचाने वाले लोग बलात्कार की घटना मे बराबर के जिम्मेदार हैं । ऐसी घटनाओं की फास्ट ट्रैक अदालतों मे सुनवाई और तय समय मे फांसी की सजा नहीं दी जाएगी, राक्षसों के मन मे समाज, कानून का कोई भय उत्पन्न नहीं होगा। सरकार यह भी सुनिश्चित करे कि जो लोग नियम, कानून ,कायदे नहीं मानते , जिनके मन मे देश के संविधान के प्रति सम्मान ना हो ,उनके सभी संवैधानिक अधिकार स्वयमेव खत्म माने जाएं। श्री गंगानगर राजस्थान मे एक 13 साल की बच्ची जो ट्यूशन से अपने घर जा रही थी। उसने एक रिक्शा वाले से उसने कहा कि आप मुझे घर छोड़ दीजिए रिक्शावाला उसे बहलाकर गेस्ट हाउस पर ले गया। वहां उसे न सिर्फ 10000 में बेच दिया बल्कि खुद उसका बलात्कार भी किया। उसके बाद उसे बच्ची का गेस्ट हाउस संचालक ने बलात्कार किया फिर गेस्ट हाउस वाले ने तीन दिन 12 लोगों से उसे बच्ची का बलात्कार करवाया। फिर उस गेस्ट हाउस संचालक ने उस बच्ची को दूसरे गेस्ट हाउस वाले को 50 हजार में बेच दिया और वहां 20 से ज्यादा लोगों ने उसे बच्चे का बलात्कार किया।

इस तरह उसे बच्ची के साथ जो मात्र 13 साल की मासूम बच्ची थी 32 दरिंदों ने बलात्कार किया। बच्ची जब दर्द से चीखती तो उसे शराब पिला देते जिससे बच्ची की आवाज कमरे से बाहर नहीं जाए। राजस्थान की इस रूह कंपा देने वाली घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया।

लेकिन इससे क्या कोई फर्क पडने वाला है? शायद बिल्कुल भी नहीं ।

हमारे आसपास ऐसी ही घटनाएं हुई हैं, जहाँ बलात्कारी नर पिशाच 32 की जगह 5-6 ही थे। पूरा समाज ,परिस्थिति जन्य साक्ष्य चीख - चीख कर सामूहिक बलात्कार की पुष्टि कर रहे थे। लोग सड़कों पर आए ,धरना - प्रदर्शन क्या नहीं किया गया? जिन पर कार्यवाही करने की जिम्मेदारी थी ,वे ही यह भूल गये कि वो भी किसी अबोध बच्ची के पिता, भाई, परिजन होंगे।

मरी हुई बुजदिल आत्माओं के साथ पशुवत पेट पालते लोगों के दम पर ही बलात्कारी समाज मे बेखौफ अगले शिकार की खोज मे रहता है। उसे कोई फर्क नहीं पडता कि फिर वो बच्ची केवट है, ब्राम्हण है, क्षत्रिय या दलित।

बलात्कारी कमजोर वर्ग को ही शिकार बनाता है। जहाँ उसे छः इंच छोटा हो जाने का डर हो, वह आंख उठा कर देखता तक नहीं।लतो अब यह बहुत जरुरी है कि बलात्कारियों मे गर्दन छोटी होने या सुनिश्चित लंबी होने का भय हो। नर पिशाचों मे स्पष्ट संदेश जाना चाहिए कि यदि उसने किसी बहन ,बेटी पर कुदृष्टि डाली तो उसकी जिन्दगी 6 महीने ही शेष होगी।

आज ही पश्चिम बंगाल मे हथियार छीन कर भागते एक बलात्कारी को वहाँ की पुलिस ने गति प्रदान किया है। नियम, कायदे, संविधान केवल उनके लिये ही नहीं होना चाहिए जो उसका सम्मान करते हैं। जो इन्हे नहीं मानते, जिनके मन मे इसके प्रति कोई डर-भय ना हो, उनके सभी संवैधानिक अधिकार खत्म माना जाना चाहिए।

16 जुलाई से थम जाएगी शहनाइयों की गूंज, गुरु तारा अस्त होते ही मांगलिक कार्यों पर लगेगा विराम

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

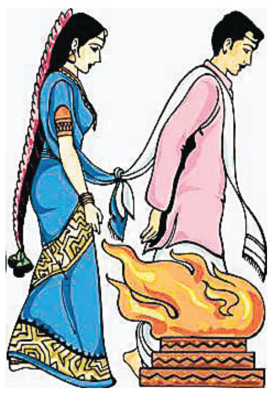

विवाह सीजन अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। अगले कुछ दिनों में शादी-विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ सहित अन्य मांगलिक कार्यों के लिए केवल चार शुभ मुहूर्त शेष हैं। 12 जुलाई इस सीजन का अंतिम प्रमुख विवाह मुहूर्त माना जा रहा है। इसके बाद 16 जुलाई से गुरु तारा अस्त होने और फिर देवशयनी एकादशी के कारण मांगलिक कार्यों पर लंबा विराम लग जाएगा। अब शहनाइयों की गूंज सीधे देवउठनी एकादशी के बाद ही सुनाई देगी।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस वर्ष दिसंबर के अंत तक विवाह के लिए केवल 12 शुभ मुहूर्त ही उपलब्ध हैं। ऐसे में जिन परिवारों ने अभी तक विवाह की तिथि तय नहीं की है, उन्हें अब नवंबर और दिसंबर के सीमित मुहूर्तों का इंतजार करना होगा। हालांकि 22 जुलाई को भड़लिया नवमी का अबूझ मुहूर्त रहेगा। इस दिन बिना पंचांग देखे भी विवाह संपन्न कराने की परंपरा है। यही कारण है कि शहरों से लेकर गांवों तक इस दिन बड़ी संख्या में विवाह समारोह आयोजित किए जाएंगे।

जुलाई के बाद नवंबर-दिसंबर में मिलेंगे विवाह के शुभ मुहूर्त

- जुलाई : 9 और 11
- नवंबर : 21, 24, 25 और 26
- दिसंबर : 2, 3, 11 और 12

16 जुलाई से 9 अगस्त तक गुरु तारा रहेगा अस्त

आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया 16 जुलाई को देवगुरु बृहस्पति (गुरु तारा) पश्चिम दिशा में अस्त होंगे और 9 अगस्त को पुन: उदित होंगे। ज्योतिष शास्त्र में गुरु को विवाह, संस्कार और अन्य मांगलिक कार्यों का प्रमुख कारक माना गया है। इसलिए गुरु के अस्त होने की अवधि में विवाह जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते। शास्त्रों के अनुसार गुरु के अस्त होने से तीन दिन पहले का वृद्धत्व काल और उदय होने के तीन दिन बाद तक का बाल्यकाल भी शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना जाता है।

25 जुलाई से शुरू होगा चातुर्मास, चार माह तक नहीं होंगे मांगलिक कार्य

धार्मिक मान्यता के अनुसार देवशयनी एकादशी (25 जुलाई) के दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसके साथ ही चातुर्मास का आरंभ हो जाता है और परंपरागत रूप से विवाह सहित सभी मांगलिक कार्य स्थगित कर दिए जाते हैं। इस अवधि में केवल जप, तप, व्रत, दान, सत्संग, कथा-श्रवण और भगवान की आराधना का विशेष महत्व माना गया है। चार माह बाद देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागेंगे। इसी दिन तुलसी-शालिग्राम विवाह के साथ मांगलिक कार्यों का नया शुभारंभ होगा और विवाह सीजन फिर से शुरू हो जाएगा।

श्राद्ध पक्ष 26 सितंबर से 10 अक्टूबर तक

भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन अमावस्या तक का समय पितरों को समर्पित होता है। इस दौरान कोई भी नया या मांगलिक कार्य करना शास्त्रों में वर्जित माना गया है। श्राद्ध पक्ष 26 सितंबर से शुरू होकर 10 अक्टूबर तक रहेगा।

कुलैथः भगवान जगन्नाथ आज गये एकांतवास में और 15 को देंगे दर्शन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

शहर से 20 किलोमीटर दूर ग्राम कुलैथ में पुरी की तर्ज पर भगवान जगन्नाथ 9 जुलाई गुरुवार को एकांतवास में चले जाएंगे और 15 जुलाई को भक्तों को दर्शन देंगे। इस दौरान सामान्य श्रद्धालुओं के लिए भगवान के पट बंद रहेंगे केवल सेवायत ही भगवान की सेवा करेंगे। इसी क्रम में 16 जुलाई को ग्राम कुलैथ में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाएगी। मंदिर के पुजारी किशोरीलाल श्रीवास्तव के पुत्र भानु श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान को एकातंवास के दौरान दलिया और खिचड़ी दी जाएगी। साथ ही भगवान का जड़ी बूटियों से उपचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 16 जुलाई को निकलने वाली इस रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम जी का विग्रह होगा। रथ यात्रा माता मेला मैदान पर रात भर रूकेगी। इसके बाद 17 जुलाई को यात्रा की वापसी होगी। शाम को छह बजे घट फूटेंगे और प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

अमरनाथ यात्राः शिवलिंग हुआ अंतरध्यान, कबूतर के हो रहे दर्शन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

पवित्र अमरनाथ यात्रा के दौरान इस वर्ष प्राकृतिक हिम शिवलिंग ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते तापमान के कारण अंतरध्यान हो गया है। गुफा में अब केवल बाबा अमरनाथ का पवित्र चबूतरा शेष है, जबकि श्रद्धालुओं को पवित्र कबूतरों के दर्शन हो रहे हैं। हालांकि, हिम शिवलिंग के अंतरध्यान होने के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई है। बाबा बर्फानी के दर्शन और पूजा-अर्चना का क्रम लगातार जारी है।

अमरनाथ यात्रा से लौटे नवल किशोर कुशवाह ने बताया कि उन्होंने मंगलवार सुबह 7 बजे चंदनवाड़ी मार्ग से यात्रा शुरू की थी और बुधवार शाम बाबा अमरनाथ के दर्शन करने के बाद वापस लौट रहे हैं। उनके अनुसार, प्राकृतिक हिम शिवलिंग पूरी तरह पिघल चुका है और गुफा में केवल उसका चबूतरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि इस समय गुफा में श्रद्धालुओं को पवित्र माने जाने वाले कबूतरों के दर्शन हो रहे हैं। धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य इसी गुफा में सुनाया था। उस दिव्य कथा को सुनने वाले कबूतर अमर हो गए और तभी से उनके दर्शन को अत्यंत शुभ तथा पुण्यदायी माना जाता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन कबूतरों के दर्शन कर स्वयं को सौभाग्यशाली मान रहे हैं।

प्रतिदिन 20 हजार श्रद्धालु पहुंच रहे हैं गुफा में

नवल किशोर कुशवाह ने बताया कि अमरनाथ गुफा में प्रतिदिन 15 से 20 हजार श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। उनका कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ते तापमान और बड़ी संख्या में यात्रियों की मौजूदगी से उत्पन्न गर्मी के कारण प्राकृतिक हिम शिवलिंग तेजी से पिघल गया। उन्होंने यह भी बताया कि यात्रा मार्ग और गुफा क्षेत्र में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे मौसम लगातार बदल रहा है।

रामचरितमानस को नियमित सुनने से मिलती है सुख-समृद्धि

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

समाधिया कॉलोनी के प्राचीन शिव धाम मंदिर में बुधवार को आठ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा का शुभारंभ हुआ। इस दौरान बैंड-बाजों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कथा व्यास पंडित योगेश देशपांडे ने श्रीरामचरितमानस के महात्म्य का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, मर्यादा, सेवा, करुणा, प्रेम और आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देने वाला दिव्य ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि श्रीरामचरितमानस का नियमित श्रवण और मनन करने से व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति, पारिवारिक सुख-समृद्धि तथा नैतिक मूल्यों का विकास होता है। भगवान श्रीराम का आदर्श चरित्र प्रत्येक व्यक्ति को धर्म, कर्तव्य और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर कथा के यजमान विलास देशपांडे, लता देशपांडे, अजय अग्निहोत्री, विश्वास जोशी एवं मीना जोशी आदि उपस्थित रहे।

योगिनी एकादशी आज, तिथि क्षय के कारण इसी दिन रखा जाएगा व्रत

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व माना गया है। वर्षभर में आने वाली 24 एकादशी में प्रत्येक का अपना अलग धार्मिक महत्व होता है। आषाढ़ कृष्ण पक्ष की एकादशी, जो निर्जला एकादशी के बाद और देवशयनी एकादशी से पहले आती है, योगिनी एकादशी के नाम से जानी जाती है। इस वर्ष योगिनी एकादशी का व्रत 10 जुलाई, शुक्रवार को रखा जाएगा।

ज्योतिषाचार्य हुकुमचंद-हिमांशु जैन ने बताया कि इस बार योगिनी एकादशी की तिथि का क्षय हो गया है। एकादशी तिथि 10 जुलाई, शुक्रवार को सुबह 8:17 बजे प्रारंभ होगी और 11 जुलाई, शनिवार को सुबह 5:23 बजे सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगी। चूंकि यह तिथि किसी भी दिन के सूर्योदय को स्पर्श नहीं कर रही है, इसलिए इसे तिथि क्षय माना गया है। इसी कारण व्रत 10 जुलाई, शुक्रवार को ही रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि व्रत का पारण (व्रत खोलने का शुभ समय) 11 जुलाई, शनिवार को दोपहर 1:45 बजे से शाम 4:29 बजे तक रहेगा।

पूजा-विधि

योगिनी एकादशी के दिन श्रद्धालुओं को प्रातः स्नान कर भगवान श्रीहरि नारायण का विधि-विधान से पूजन करना चाहिए। भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र का स्नान कराकर पुष्प, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें तथा आरती करें। पूरे दिन व्रत रखते हुए भगवान विष्णु का स्मरण, भजन एवं मंत्र-जप करना अत्यंत शुभ माना गया है।

व्रत का महत्व

धार्मिक मान्यता है कि योगिनी एकादशी का व्रत करने से मनुष्य के समस्त पापों का नाश होता है, जीवन में सुख-समृद्धि, आरोग्य और वैभव की प्राप्ति होती है तथा अंत में मोक्ष और स्वर्गलोक की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। शास्त्रों में इस व्रत का पुण्य 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के समान बताया गया है। इसलिए यह एकादशी अत्यंत पुण्यदायी और फलदायी मानी जाती है।

यादव ने किया सहकारी समितियों का निरीक्षण

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने बुधवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर विभिन्न सहकारी समितियों का निरीक्षण किया। उन्होंने सरकार द्वारा किसानों को सहकारिता के क्षेत्र में प्रदान की जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए विभिन्न गांव में किसानों से सीधा संवाद किया । श्री यादव ने ग्राम गिरगांव, लक्ष्मणगढ़, गुठीना, बरेठा, बहादुरपुर, डांग गुठीना में किसानों से संवाद एवं सहकारी समितियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। गुठीना में गंगाराम बघेल, लोकेंद्र बघेल, अमर राणा, लक्ष्मण कुशवाह, धर्मेंद्र जाटव, राकेश किरार, बहादुरपुर में कमल सिंह किरार, कल्याण सिंह किरार, रामेश्वर किरार, अरविंद किरार, जोगेंद्र सिंह, ऋषिपाल किरार, अभिषेक बोहरे किरार, गोलू पाल, जसवंत बघेल, हरचरण रजक, राजेश रजक, शुभम माहौर, मनोज माहौर, जयकरण बघेल, रामदीन किरार, सुनील किरार आदि उपस्थित रहे ।

रजक समाज को मिलेगी सामुदायिक भवन की सौगात

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने द्वारा वार्ड क्रमांक एक के अंतर्गत गुप्तेश्वर कॉलोनी एवं बजरंग कॉलोनी में लगभग 1 करोड़ 30 लाख की लागत से होने वाले तीन महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमि पूजन कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। दोनों कॉलोनियों में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य के साथ-साथ रजक समाज के धोबी घाट स्थित संत गाडगे महाराज परिसर में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर रजक समाज बंधुओं के अलावा कोटेश्वर मंडल अध्यक्ष प्रमोद सिंह परमार, पूर्व पार्षद जगत सिंह कौरव, राजेश शर्मा, डीसी शाक्य, संतोष रजक, विनोद सिकरवार, उदयभान रजक, धर्मेंद्र यादव, चंद्रप्रकाश रजक सहित गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की।

डिवाइडर तोड़कर पुलिया पर अटका कंटेनर बाल-बाल बचे चालक और क्लीनर

नगर संवाददाता ■ डबरा/आंतरी

जौरासी घाटी पर मंगलवार रात करीब 8 बजे एक कंटेनर डिवाइडर और रेलिंग तोड़ते हुए पुलिया पर जाकर अटक गया। गनीमत रही कि कंटेनर की गति सामान्य थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार बेंगलुरु के चिन्नूर से दिल्ली जा रहा कंटेनर एमरॉन कंपनी की बैटरियां लेकर जा रहा था। मंगलवार शाम करीब 7 बजे जौरासी घाटी क्षेत्र में तेज आंधी के साथ बारिश हो रही थी। घाटी से उतरते समय कंटेनर के आगे-पीछे कई अन्य वाहन चल रहे थे। इसी दौरान बाईं ओर गिट्टी से भरा डंपर भी चल रहा था।

घाटी में उतरते समय पीछे चल रहे वाहन ने आगे निकलने का प्रयास किया, जिससे कंटेनर चालक का संतुलन बिगड़ गया और कंटेनर डिवाइडर एवं रेलिंग तोड़ते हुए पुलिया पर जाकर अटक गया। यदि कंटेनर की गति अधिक होती तो वह पुलिया में गिर सकता था। कंटेनर चालक कार्तिक (23), निवासी दिल्ली ने बताया कि जौरासी घाटी पर रात के समय तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही थी। अंधेरा होने के कारण दृश्यता भी कम थी। साथ चल रहे गिट्टी से भरे डंपर ने अचानक गति बढ़ा दी, जिससे कंटेनर का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर पर चढ़ गया। चालक ने बताया कि वाहन की गति सामान्य होने के कारण वह और उसका साथी बाल-बाल बच गए, अन्यथा हादसा गंभीर हो सकता था।

कांग्रेस नेता ने भाजपा पार्षद पर लगाए गंभीर आरोप, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नगर संवाददाता ■ भितरवार

कांग्रेस नेता गुलाब सिंह रावत ने भाजपा पार्षद जितेंद्र सिंह परिहार के अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र की जांच कराने तथा उनके परिजनों द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए कथित अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर एसडीएम राजीव समाधिया को जिलाधीश के नाम ज्ञापन सौंपा।

बुधवार को गुलाब सिंह रावत अपने समर्थकों के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचे। ज्ञापन में उन्होंने आरोप लगाया कि वार्ड क्रमांक 5 के भाजपा पार्षद जितेंद्र सिंह परिहार राजपूत समाज से हैं। उनके पिता का नाम राजा सिंह परिहार तथा माता का नाम प्रेमाबाई परिहार है और उनका मूल निवास ग्राम सिला, जिला बांदा (उत्तर प्रदेश) बताया गया है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने फर्जी तरीके से अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र बनवाया है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि उक्त प्रमाण पत्र के आधार पर पार्षद लोगों को डराने तथा अनुसूचित जाति एवं

अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम में कार्रवाई की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। कांग्रेस नेता ने मांग की कि यह जांच की जाए कि उन्हें अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र किस आधार पर जारी किया गया। इसके अलावा ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि पार्षद के परिजन लल्लू सिंह परिहार ने वार्ड क्रमांक 5 में स्टेडियम के पास राजस्व रिकॉर्ड में गौशाला के लिए आरक्षित शासकीय भूमि, सर्वे क्रमांक 3, रकबा 2.1200 हेक्टेयर पर कथित रूप से अवैध अतिक्रमण कर रखा है। इस भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की गई है।

जीवाजी विश्वविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य पर हुआ ऑनलाइन प्रशिक्षण

विद्यार्थियों की आत्महत्या रोकथाम पर विशेषज्ञों ने दिए अहम सुझाव

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने और आत्महत्या की घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से बुधवार को जीवाजी विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी (सीआईएफ) सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षक, अतिथि विद्वान और कर्मचारियों ने भाग लेकर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में डॉ. तन्मय जोशी (एम्स भोपाल), डॉ. अनीता पुरी सिंह (पीजी गर्ल्स कॉलेज, भोपाल), डॉ. अमित कुमार सोनी (इंदौर) एवं विनय मिश्रा ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, आत्महत्या रोकथाम तथा समय पर मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराने के विषय में विस्तार से अपने विचार रखे। डॉ. तन्मय जोशी ने कहा कि किसी भी संकटग्रस्त विद्यार्थी की समय रहते पहचान और उसके साथ संवेदनशील संवाद स्थापित करना जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने बताया कि शिक्षक और कर्मचारी विद्यार्थियों के सबसे निकट होते हैं, इसलिए उनकी सतर्कता और संवेदनशीलता बेहद आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि यदि किसी विद्यार्थी में अत्यधिक उदासी, सामाजिक अलगाव, व्यवहार में अचानक परिवर्तन, निराशा या आत्महत्या संबंधी विचार व्यक्त करने जैसे संकेत दिखाई दें तो उसके साथ सहानुभूतिपूर्ण संवाद स्थापित कर उसे तुरंत विशेषज्ञ परामर्श एवं सहायता सेवाओं से जोड़ा जाना चाहिए। इस दौरान प्रतिभागियों को टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 के बारे में भी जागरूक किया गया।

विशेषज्ञों ने तनाव के भावनात्मक, व्यवहारिक एवं शारीरिक प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय परिसर में सहयोगात्मक और संवेदनशील वातावरण विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता, संवाद और समय पर परामर्श विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव कुलदीप सिंह चौहान,कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. साधना श्रीवास्तव,डॉ. निमिषा जादौन, सहायक कुलसचिव अमित सिसौदिया, डॉ. अंकुर श्रीवास्तव, सुशील कथुरिया, डॉ. अल्पना शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

'चिकित्सा शिक्षा के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी'

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरामेडिकल में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन-2025-26 आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. बिंदु सिंघल ने विद्यार्थियों से शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने तनाव प्रबंधन, मेडिटेशन, डीप ब्रीदिंग और सकारात्मक जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को ध्यान अभ्यास भी कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. डॉ. योगेश उपाध्याय ने की। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं पैरामेडिकल शिक्षा केवल डिग्री नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का संकल्प है। साथ ही एआई, डिजिटल हेल्थ, आधुनिक चिकित्सा तकनीकों और मरीजों के डेटा की गोपनीयता को भविष्य के स्वास्थ्यकर्मियों की अहम जिम्मेदारी बताया। स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरामेडिकल की डीन प्रो. मिनी अनिल ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, तकनीकी, शोध, खेल एवं सह-पाठ्क्रम गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. सोनिया जौहरी, तृप्ति पाठक, अर्पित चौहान, लेफ्टिनेंट अमनदीप कौर, सुनील सहाने और पूर्व छात्रा अंजली माथुर ने भी विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों, प्लेसमेंट, एनसीसी, परीक्षा प्रणाली और करियर संभावनाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सान्या सिंघल ने किया।

चरण स्पर्श से पहले जान लें ये नियम, शास्त्रों में बताया गया है किसके पैर नहीं छूने चाहिए

हिंदू संस्कृति में अपने बड़ों के पैर छूने को अच्छा संस्कार माना जाता है। यह बड़े-बुजुर्गों के प्रति सम्मान का प्रतीक होता है, लेकिन कुछ लोगों के पैर छूने की मनाही भी है।

हिंदू धर्म में माता पिता, गुरुजन और बड़े-बुजुर्गों के पैर छूने की परंपरा सदियों से चलती आ रही है। बचपन से ही पैर छूकर प्रणाम करने की परंपरा सिखाई जाती है। लेकिन शास्त्रों में बताया गया है कि कुछ लोगों के पैर छूना या उनसे पैर छुआने से व्यक्ति को जीवन में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता

नहीं मिलता पूजा का फल

माना जाता है कि यदि कोई व्यक्ति पूजा-पाठ कर रहा है, तो इस दौरान उस व्यक्ति के पैर नहीं छूने चाहिए। वरना इससे पूजा में बाधा उत्पन्न हो सकती है। वहीं, मंदिर में भी किसी के पैर छूना सही नहीं माना जाता, क्योंकि मंदिर भगवान का स्थान होता है और मंदिर में भगवान से बढ़कर कोई नहीं हो सकता है। मंदिर में केवल उसी सर्व शक्तिमान के आगे झुकना चाहिए।

बन सकते हैं पाप के भागीदार

हिंदू धर्म में बेटियों को देवी का रूप माना जाता है। ऐसे में घर की बेटियों से कभी भी पैर नहीं छुआना चाहिए। कहा जाता है कि कुंवारी कन्याओं से पैर छुआने से व्यक्ति पाप का भागीदार बन सकता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, मामा-मामी को अपने भांजा या फिर भांजी से भी चरण स्पर्श नहीं करवाना चाहिए।

न छुएं इन लोगों के पैर

हिंदू धर्म यह माना जाता है कि यदि कोई व्यक्ति श्मशान घाट से लौट रहा है, तो उस व्यक्ति के पैर नहीं छूने चाहिए, फिर चाहे वो आपसे बड़ा ही क्यों न हो। साथ ही सोते हुए व्यक्ति के पैर भी नहीं छूने चाहिए।

किन लोगों के पैर छूने चाहिए

सनातन परंपरा के अनुसार हमें हमेशा योग्य लोगों के पैर छूने चाहिए। जैसे माता, पिता, गुरु आदि। इनके अलावा हिंदू धर्म में छोटों के पैर भी छूने का विधान है। जैसे नवरात्रि में कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर पैर छूने की परंपरा है। कहा जाता है कि ब्राह्मण का बच्चा भी पैर छूने के काबिल होता है। उसके पैर छूने से भी पुण्य प्राप्त होता है।

कैसे छूना चाहिए बड़ों के पैर?

हिंदू धर्म में पूजनीय लोगों या फिर बड़ों के पैर तीन तरीके से छुए जाते हैं। जिसमें आदमी कमर झुकाकर अपने से वरिष्ठ व्यक्ति के पैर छूकर आशीर्वाद मांगता है। दूसरे तरीके में वह अपने घुटनों को मोड़कर बैठता है और सामने वाले के पैर छूता है। इसके अलावा तीसरे तरीके में वह व्यक्ति को दंडवत प्रणाम करता है। जिसमें वह पेट के बल जमीन में सीधे लेटकर प्रणाम करता है।

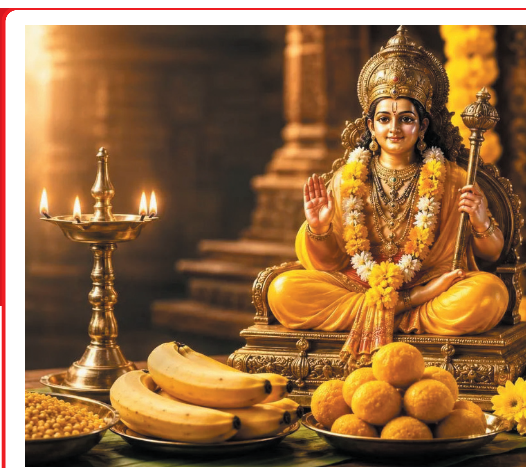

विवाह में देरी से हैं परेशान? गुरुवार को करें ये एक काम, जल्द बनेंगे शुभ संयोग

अगर विवाह में लगातार देरी हो रही है, तो ज्योतिष के अनुसार गुरुवार के दिन किए गए कुछ सरल उपाय शुभ संयोग बनने में सहायक माने जाते हैं। जानिए कौन-सा उपाय हैं।

भगवान विष्णु और गुरु बृहस्पति की कृपा पाने के लिए गुरुवार का दिन विशेष महत्व रखता है। धर्म शास्त्रों में इस दिन किए गए मांगलिक कार्यों का बड़ा महत्व बताया गया है। बताया जाता है कि, गुरु ग्रह का प्रभाव इस दिन पर विशेष रूप से पड़ता है। इस दिन अगर कुछ विशेष उपाय करें तो व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है और जीवन से नकारात्मकता का नाश होता है। जीवन में सुख-समृद्धि का संचार होने लगता है और बाधाएं दूर होती है।

गुरुवार के दिन किन चीजों का दान करें?

हल्दी का दान से सुख-समृद्धि बढ़ती है

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गुरु ग्रह का संबंध हल्दी से है। ऐसे में अगर गुरुवार के दिन हल्दी का दान करें तो जीवन की सभी परेशानियों का अंत होता है। मानसिक तनाव दूर होता है और सुख-समृद्धि बढ़ती है और जीवन की बाधाओं का अंत होता है।

पीले वस्त्रों का दान से जीवन में मान-सम्मान बढ़ता

ज्योतिषियों के अनुसार, गुरुवार के दिन हल्दी दान के अलावा,पीले वस्त्रों का दान से बृहस्पति ग्रह की कृपा होती हैं। ऐसे में इस दिन पीले रंग के वस्त्रों का दान करना भी बहुत शुभ होता है। मान्यतानुसार, गुरु दोष का प्रभाव दूर करने के लिए और स्वास्थ्य में सुधार के लिए और भारी कर्ज को दूर करने के लिए पीले वस्त्रों का दान करना शुभ माना जाता है इस दान से जीवन में मान-सम्मान बढ़ता है और उन्नति के रास्ते खुलते हैं।

चना दाल और गुड़ का दान से भाग्योदय होता है

गुरुवार के दिन चने की दाल और गुड़ का दान करना भी बड़ा शुभ माना जाता है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, इस दान को करने से भाग्योदय होता है। आर्थिक स्थिति से लेकर परिवार में सुख- समृद्धि बढ़ती है।

पीले रंग की चीजों का दान से ग्रह और भगवान विष्णु की कृपा

गुरुवार के दिन अगर पीले रंग की कुछ वस्तुओं का दान करें तो भाग्य का साथ होगा। फल, पीली मिठाई या अन्य पीली चीजों का दान करने से गुरु ग्रह और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त हो सकती है। जीवन में करियर से लेकर विवाह का शुभ योग प्राप्त होते है।

घर में चाबियां यहां रखीं तो खुलेंगे सफलता के द्वार, गलत जगह रखीं तो बढ़ेंगी परेशानियां

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में चाबियां रखने की सही जगह सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और सफलता को बढ़ावा देती है। जानें चाबियां कहां रखें और किन जगहों पर रखने से बचना चाहिए।

वास्तु शास्त्र का हिंदू धर्म से गहरा नाता है। इसमें घर की हर छोटी-बड़ी वस्तु को रखने के लिए विशेष नियम बताए गए हैं। इन्हीं में से एक है चाबी। घर के ताले, साइकिल, मोटरसाइकिल या कार की चाबी केवल उपयोगी ही नहीं, बल्कि सुरक्षा और व्यवस्था का भी प्रतीक मानी जाती है। इसलिए वास्तु शास्त्र में इनके लिए एक निश्चित स्थान रखने की सलाह दी जाती है, ताकि वे सुरक्षित रहें और बार-बार खोने की समस्या न हो।

चाबी को गलत स्थान पर रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है

वास्तु शास्त्र के अनुसार, अक्सर लोगों की आदत होती है कि बाहर से घर लौटते ही चाबी को कहीं भी रख या फेंक देते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह आदत शुभ नहीं मानी जाती। मान्यता है कि चाबी को गलत स्थान पर रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है और व्यक्ति की उन्नति व आर्थिक प्रगति में बाधाएं आने लगती है। इसलिए हमेशा चाबी को एक तय और साफ-सुथरी जगह पर ही रखें।

चाबियों का गुच्छा कहां नहीं रखना चाहिए?

डाइनिंग टेबल पर ना रखें चाबी

वास्तु शास्त्र के अनुसार डाइनिंग टेबल पर कभी भी चाबियों का गुच्छा नहीं रखना चाहिए। मान्यता है कि यहां चाबियों को रखने से ग्रह-क्लेश होते हैं। साथ ही इस वजह से आर्थिक स्थिति पर भी गलत असर पड़ता है।

मुख्य द्वार के पास रखने से बचें

कुछ लोग मुख्य द्वार के आसपास की होल्डर लगा देते हैं जोकि एकदम गलत तरीका है। हालांकि ऐसा कम ही लोग करते हैं लेकिन वास्तु में इसे शुभ बिल्कुल भी नहीं माना जाता है। इससे घर की पॉजिटिव एनर्जी बाहर चली जाती है।

पूजा घर या किचन में ना रखें

वास्तु शास्त्र में किचन और पूजा घर को बहुत ही अहम माना जाता है। ऐसे में इन जगहों पर भी चाबियों को ना रखने की सलाह दी जाती है। चाबियों के जरिए यहां पर बाहर की नेगेटिविटी आती है जिससे मां अन्नपूर्णा और देवी लक्ष्मी रुठ जाती है।

किन दिशाओं में चाबी रखना होता है शुभ?

उत्तर या फिर पूर्व दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार चाबियों को रखने के लिए उत्तर या फिर पूर्व दिशा को सबसे शुभ माना जाता है। दरअसल इन दोनों दिशाओं का संबंध भगवान कुबेर और सूर्य से है। ऐसे में यहां पर चाबियों को रखने से तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं।

लिविंग रूम का ये कोना है बड़ा शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, चाबी रखने के लिए लिविंग रूम का पश्चिम कोना सबसे सही है। इस दिशा में आप की होल्डर लगा सकते हैं इस जगह चाबियां को रखना ठीक माना जाता है।

क्या घर में पुरानी चाबियां रखना ठीक है?

अगर वास्तु की मानें तो घर में ऐसी कोई चाबी नहीं रखनी चाहिए जो बेकार हो गई हो, जिसमें जंग लग गया हो या फिर उस चाबी का ताला खो गया हो। ऐसी चाबियों को आप तुरंत हटा दें।

घर में सुख-शांति और तरक्की के लिए कहां लगानी चाहिए विंड चाइम?

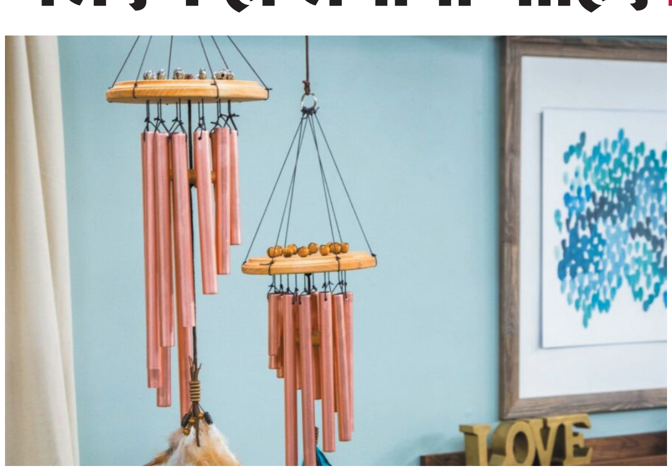

वास्तु शास्त्र में ऐसी कई चीजें बताई गई हैं, जो जीवन में सुख-समृद्धि में वृद्धि कर सकती है। वास्तु के अनुसार, विंड चाइम को घर में लगाने की भी सही दिशा बताई गई है।

अपने घरों में सजावट के लिए तरह-तरह की चीजें रखी जाती हैं। आपने कई घरों में विंड चाइम लगा देखा होगा, जो हल्की सी हवा के साथ मीठी सी संगीत बिखेरती है। वास्तु के अनुसार इसे बहुत शुभ माना जाता है।

विंड चाइम्स व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि कर सकता है। इसके लिए आपको विंड चाइम्स को लगाने से पहले कुछ वास्तु नियमों का पालन करना चाहिए। आपके जीवन में इसके सकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं।

विंड चाइम्स के लिए सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, विंड चाइम को घर की पश्चिम या उत्तर दिशा में लगाना बेहतर माना जाता है। वहीं, अगर लकड़ी के विंड चाइम्स हैं, तो इसे घर के पूर्व और दक्षिण दिशा में लगाना चाहिए। इस दिशा में विंड चाइम लगाने से आपके जीवन में पॉजिटिविटी बनी रहती है।

दूर होगा वास्तु दोष

कई लोग घर के मुख्य द्वार पर भी विंड चाइम लगाते हैं इसके लिए हमेशा चार छड़ों वाली विंड चाइम चुननी चाहिए। ऐसा करने से वास्तु दोष खत्म हो सकता है। वहीं, अगर आप अपने ड्राइंग रूम में छह छड़ वाला विंड चाइम लगाते हैं, तो इससे भी आपके जीवन में खुशहाली बनी रहेगी।

मिल सकते हैं ये लाभ

वास्तु के मुताबिक, विंड चाइम्स की आवाज मानसिक शांति प्रदान करती है। यह सुरीली आवाज घर के सभी सदस्यों को सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है। लेकिन वहीं, इसे गलत दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव भी पड़ सकता है।

ऑफिस में यहां लगाएं विंड चाइम

यदि आप अपने ऑफिस में भी विंड चाइम लगाना चाहते हैं, तो इसे किसी दरवाजे या खिड़की पर लगाना सबसे अच्छा माना जाता है, क्योंकि यहां विंड चाइम लगाने से उसे सीधी हवा मिलती है, जिससे वह बजता रहता है और इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

बेडरूम में ऐसे लगाएं विंड चाइम

वास्तु के अनुसार, बेडरूम में विंड चाइम लगाते समय ध्यान रहे कि विंड चाइम 9 छड़ों वाला हो। बेडरूम में इससे कम वाले विंड चाइम कभी न लगाएं, वरना वैवाहिक जीवन में कई परेशानियां आएंगी।

विंड चाइम के नीचे बैठना

वास्तु शास्त्र के अनुसार, विंड चाइम के नीचे बैठना बिल्कुल सही नहीं माना जाता है। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति कमजोर होती है। इसके साथ ही कड़ी मेहनत करने के बावजूद सफलता हासिल नहीं होती है।

इन जगहों पर न लगाएं विंड चाइम

वास्तु शास्त्र के अनुसार, विंड चाइम लगाते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह पूजा घर या फिर किचन में न हो। इस जगहों पर इसे लगाने से नकारात्मक ऊर्जा अधिक निकलती है। किचन में विंड चाइम लगाने से घर की महिलाओं को शारीरिक कष्ट झेलना पड़ सकता है।

क्या आपके घर की दहलीज बन रही है दरिद्रता का कारण? वास्तु के अनुसार भूलकर भी न करें ये 5 गलतियां

घर की दहलीज को वास्तु शास्त्र में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। जानिए वास्तु के अनुसार वे 5 गलतियां, जिन्हें भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

सनातन परंपरा और भारतीय संस्कृति में घर की चौखट (दहलीज) को केवल आने-जाने का रास्ता नहीं, बल्कि शुभ ऊर्जा और समृद्धि का प्रवेश द्वार माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहीं से मां लक्ष्मी का घर में आगमन होता है। यही वजह है कि शास्त्रों और वास्तु शास्त्र में दहलीज की स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है।

वास्तु विशेषज्ञों का मानना है कि चौखट पर कुछ ऐसी गलतियां हैं, जिन्हें बार-बार करने से घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। आइए जानते हैं वे कौन-सी आदतें हैं, जिन्हें दहलीज पर करने से बचना चाहिए।

दहलीज पर बैठकर भोजन करना क्यों माना जाता है अशुभ?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मुख्य द्वार या चौखट पर बैठकर भोजन करना उचित नहीं माना जाता। मान्यता है कि भोजन के कण यदि दहलीज पर गिरते हैं, तो वहां गंदगी और कीड़े-मकौड़े बढ़ सकते हैं। वास्तु में इसे नकारात्मक ऊर्जा का कारण माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इससे घर में अन्न की बरकत भी प्रभावित हो सकती है।

क्या चौखट पर जूते-चप्पल रखना रोक देता है सुख-समृद्धि का प्रवेश?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मुख्य द्वार से मां लक्ष्मी का आगमन होता है। इसलिए दहलीज को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए। चौखट पर जूते-चप्पल रखने के बजाय वहां रंगोली, दीपक या सुगंधित फूल सजाना शुभ माना जाता है।

कूड़ादान की ये जगह पड़ सकती है भारी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का डस्टबिन या कूड़ादान कभी भी मुख्य दहलीज के पास नहीं रखना चाहिए। मान्यता है कि इससे शुक्र ग्रह कमजोर हो सकता है। शुक्र ग्रह को सुख, वैभव और ऐश्वर्य का कारक माना जाता है, इसलिए इस स्थान की स्वच्छता बनाए रखना शुभ माना गया है। दहलीज पर बैठकर बाल संवारना क्यों नहीं माना जाता सही?

कई महिलाओं की आदत होती है कि वे चौखट पर बैठकर बाल बनाती हैं या बाल झाड़ती हैं। यदि टूटे हुए बाल वहीं पड़े रह जाएं, तो वास्तु मान्यताओं के अनुसार इसे शुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि इससे घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है और आर्थिक उन्नति में बाधाएं आ सकती हैं।

चौखट को बैठने की जगह समझना पड़ सकता है नुकसानदायक

वास्तु शास्त्र में दहलीज को घर की ऊर्जा का मुख्य प्रवेश द्वार माना गया है। इसलिए लंबे समय तक चौखट पर बैठना या वहां अनावश्यक रुकावट पैदा करना उचित नहीं माना जाता। पारंपरिक मान्यता है कि इससे शुभ ऊर्जा का प्रवाह प्रभावित हो सकता है, इसलिए बड़े-बुजुर्ग भी दहलीज पर बैठने से मना करते आए हैं।

नोट : यह जानकारी धार्मिक मान्यताओं और वास्तु शास्त्र में वर्णित पारंपरिक विश्वासों पर आधारित है। विभिन्न परंपराओं और विशेषज्ञों की राय अलग-अलग हो सकती है। श्रद्धा और अपनी आस्था के अनुसार ही इन बातों का पालन करें।

फीफा वर्ल्ड कप-2026

72 साल बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंची स्विट्जरलैंड की टीम

पेनल्टी शूट में कोलंबिया को 4-3 से हराया

वैंकूवर

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड ने रोमांचक मुकाबले में कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक दोनों टीमों के बीच कोई भी गोल नहीं हो सका, जिसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। इसमें रूबेन वर्गास ने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर स्विट्जरलैंड की जीत सुनिश्चित कर दी।

72 साल बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंचा स्विट्जरलैंड

इस जीत के साथ स्विट्जरलैंड ने इतिहास रच दिया। टीम 1954 के बाद पहली बार फीफा वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। 1954 में स्विट्जरलैंड ने मेजबानी करते हुए अंतिम-8 में जगह बनाई थी। अब 72 साल बाद टीम ने फिर से यह उपलब्धि हासिल की है।

अब अर्जेंटीना से होगी टक्कर

क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड का सामना गत चैंपियन अर्जेंटीना से होगा। यह मुकाबला शनिवार को अमेरिका के कैनसस सिटी स्थित एरोहेड स्टेडियम में खेला जाएगा। अर्जेंटीना ने अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मिस्र को 3-2 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया था।

अहम खिलाड़ी की गैरमौजूदगी के बावजूद मिली जीत

स्विट्जरलैंड इस मुकाबले में अपने युवा मिडफील्डर जोहान मन्जाम्बी के बिना उतरा था। मन्जाम्बी सोमवार को अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे और इस कारण मैच नहीं खेल सके। इसके बावजूद स्विस टीम ने शानदार अनुशासन और मजबूत रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन करते हुए कोलंबिया को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया और अंत में पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज कर ली। इसके बाद स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल हीरो बनकर उभरे, उन्होंने क्रिस्टियन हर्नांडेज की पेनल्टी बचाई और फिर रूबेन वर्गास ने शांति से विनिंग स्पॉट-किक मारकर 4-3 से शूटआउट में टीम की जीत पक्की की। भले ही अंतिम स्कोर कुछ भी रहा हो, लेकिन कोलंबिया की टीम ने अधिक आक्रामक प्रदर्शन किया और बेहतर मौके बनाए, खासकर अतिरिक्त समय के दौरान। डिफेंडर जॉन लुकुमी गोल करने के सबसे करीब पहुंचे थे, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। वहीं, 116वें मिनट में जॉन एरियास कैम्पाज को गोल करने का शानदार मौका मिला, लेकिन गोलकीपर कोबेल के सामने होने के बावजूद उन्होंने शॉट बार के ऊपर मार दिया। कप्तान ग्रैनिट जाका और डिफेंडर मैनुअल अकांजी की अगुवाई में स्विट्जरलैंड ने मजबूती से बचाव किया, लेकिन उन्हें गोल करने के अच्छे मौके बनाने में संघर्ष करना पड़ा, जबकि कोलंबिया ने अधिक खतरनाक हमले किए।

आखिरकार मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा, जहां जुआन फर्नांडो क्विंटरो ने कोलंबिया की पहली किक को गोल में बदला और फिर जाका ने स्विट्जरलैंड के लिए गोल किया। कोलंबिया की उम्मीदों को तब बड़ा झटका लगा जब डेविंसन सांचेज़ की पेनल्टी क्रॉसबार से टकरा गई। इसके बाद जेकी अमदौनी और कैम्पाज ने सफल स्पॉट-किक मारकर शूटआउट को बराबरी पर ला दिया। ऐसा लगा कि स्विट्जरलैंड मैच पर पकड़ बना लेगा, लेकिन अकांजी ने अपनी पेनल्टी बार के ऊपर मार दी, जिससे कोलंबिया को वापसी का मौका मिल गया। हालांकि, कोबेल ने दाईं ओर डाइव लगाकर हर्नांडेज़ का शॉट बचाकर निर्णायक पल बनाया। सेड्रिक इटेन ने स्विट्जरलैंड की अगली पेनल्टी को गोल में बदला और फिर लुइस डियाज़ ने शांत अंदाज़ में गोल करके कोलंबिया की उम्मीदें बनाए रखीं। शूटआउट में स्कोर 3-3 से बराबर होने पर वर्गास आगे आए और शांति से नीचे के कोने में शॉट मारकर स्विट्जरलैंड को अंतिम आठ में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ स्विट्ज़रलैंड ने अपने वर्ल्ड कप इतिहास में 72 साल में पहली बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जहां उनका मुक़ाबला अर्जेंटीना से होगा, जो कैनसस सिटी में खेला जाएगा।

क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल हुआ तय

स्पेन और बेल्जियम के बीच, जबकि इंग्लैंड और नॉर्वे का होगा मुकाबला

वैंकूवर

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रोमांच अब क्वार्टर फाइनल स्टेज तक पहुंच गया है जिसमें यहां तक पहुंचने वाली सभी 8 टीमों के नाम तय हो गए हैं। राउंड 16 में कुछ बड़े उलटफेर भी देखने को मिले, जिसमें पुर्तगाल का सफर जहां स्पेन की टीम ने खत्म कर दिया तो वहीं नॉर्वे ने ब्राजील के खिलाफ हुए मुकाबले को 2-1 के अंतर से जीतने के साथ अंतिम-8 में अपनी जगह को पक्का किया। अब सभी की नजरें 10 जुलाई से शुरू होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबलों को लेकर टिकी हुई हैं, जिसमें पहला मैच फ्रांस और मोरक्को की टीम के बीच में 10 जुलाई को भारतीय समयानुसार देर रात 1:30 पर खेला जाएगा। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना का सामना स्विट्जरलैंड की टीम से क्वार्टर फाइनल में होगा।

फ्रांस बनाम मोरक्को

फ्रांस टूर्नामेंट की सबसे मज़बूत टीमों में से एक के तौर पर अंतिम आठ में पहुंचा है। डिडिएर डेसचैम्प्स की टीम ने बिना किसी परेशानी के ग्रुप स्टेज पार किया और फिर स्वीडन और पैराग्वे को बाहर का रास्ता दिखाया। किलियन एम्बाप्पे ने अब तक सात गोल करके अपनी अहमियत साबित की है और वे वर्ल्ड कप में अपनी विरासत बना रहे हैं। दो बार की वर्ल्ड कप विजेता टीम ने अपने आक्रामक खेल से प्रभावित किया है, साथ ही डिफेंस में भी अनुशासन दिखाया है, जिसने लेस ब्लूज़ (फ्रांस की टीम) को ट्रॉफी जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक बना दिया है। उनके रास्ते में प्रतियोगिता में बची एकमात्र अफ्रीकी टीम खड़ी है। मोरक्को ने नीदरलैंड्स पर पेनल्टी-शूटआउट में जीत के बाद क्वार्टर फ़ाइनल में पहुंचने के लिए सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से करारी शिकस्त दी। एटलस लायंस (मोरक्को की टीम) के

पास अब 2022 वर्ल्ड कप के सेमीफ़ाइनल में फ्रांस से मिली 2-0 की हार का बदला लेने का मौका है, क्योंकि वे एक और यादगार नतीजा हासिल करना चाहते हैं।

स्पेन बनाम बेल्जियम

स्पेन ने मिकेल मेरिनो के स्टॉपेज-टाइम में किए गए विजयी गोल की बदौलत पुर्तगाल को 1-0 से हराया और लगातार छह वर्ल्ड कप मैचों में क्लीन शीट (बिना गोल खाए मैच खत्म करना) रखने का टूर्नामेंट रिकॉर्ड बनाया। इसके विपरीत, बेल्जियम ने संयम और नियंत्रण के साथ अपनी लय बनाई है। रेड डेविल्स (बेल्जियम की टीम) ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की और एक्स्ट्रा टाइम में सेनेगल को हराया, फिर अमेरिका को आसानी से 4-1 से मात दी; इस मैच में चार्ल्स डी केटेलेरे ने दो गोल किए और एक और गोल करने में मदद की। अनुभवी खिलाड़ी केविन डी ब्रुइन और रोमेलु लुकाकू के लिए, यह टूर्नामेंट उस बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब को जीतने का आखिरी मौका हो सकता है जो बेल्जियम की तथाकथित गोल्डन जेनरेशन (सुनहरी पीढ़ी) की पहुंच से दूर रहा है। स्पेन और बेल्जियम के बीच में 11 जुलाई को भारतीय समयानुसार देर रात 12:30 बजे से खेला जाएगा।

नॉर्वे बनाम इंग्लैंड

ब्राजील को 2-1 से हराने के बाद नॉर्वे का मुकाबला अब मियामी में इंग्लैंड से होगा। ओर्जन नाइलैंड ने ब्रूनो गुइमारेस की पेनल्टी को रोक दिया, जिसके बाद एर्लिंग हालैंड ने दो गोल करके नॉर्वे को पहली बार वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल में पहुँचाया। हालैंड ने टूर्नामेंट में अब तक सात गोल किए हैं और अब वे इंग्लैंड के डिफेंस की परीक्षा लेंगे। मेक्सिको के खिलाफ 3-2 की जीत में जैरेल क्वांसाह को रेड कार्ड मिलने के बाद इंग्लैंड के डिफेंस को काफी संघर्ष करना पड़ा था। इंग्लैंड काफी हद तक कप्तान हैरी केन और जूड बेलिंगम पर निर्भर रहा है; टीम के कुल 11 गोलों में से 10 गोल इन्हीं दोनों ने किए हैं। थॉमस ट्यूशेल की टीम जब सेमीफाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी, तो इन दोनों की साझेदारी एक बार फिर अहम भूमिका निभा सकती है। इंग्लैंड और नॉर्वे के बीच क्वार्टर फाइनल मैच 12 जुलाई को भारतीय समयानुसार देर रात 12:30 पर खेला जाएगा।

अर्जेंटीना बनाम स्विट्जरलैंड

अर्जेंटीना ने राउंड ऑफ़ 16 में मिली कड़ी चुनौती से उबरते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली और अब उसका मुकाबला स्विट्जरलैंड से होगा। लियोनेल स्कालोनी की टीम 79वें मिनट तक दो गोल से पीछे चल रही थी, लेकिन फिर वापसी करते हुए मिस्र को 3-2 से हराया। पेनल्टी चूकने के बाद लियोनेल मेसी ने वापसी की और फिर स्टॉपेज टाइम में एंजो फर्नांडीज ने हेडर से विजयी गोल दागा। यह लगातार दूसरा नॉकआउट मैच था जिसमें मौजूदा चैंपियन को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा; इससे पहले वर्ल्ड कप में पहली बार खेल रही केप वर्डे को हराने के लिए भी उन्हें एक्स्ट्रा टाइम की ज़रूरत पड़ी थी।स्विट्जरलैंड पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगा, क्योंकि उसने 120 मिनट तक कोई गोल न होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में कोलंबिया को हराया था। इस जीत के साथ स्विट्ज़रलैंड ने 1954 में टूर्नामेंट की मेजबानी करने के बाद पहली बार इस चरण में जगह बनाई है।

यूरोपीय संघ के सांसदों की मांग

ट्रंप के साथ संपर्क के मामले में जियानी इन्फेंटिनो की जांच हो

ब्रूसेल्स

यूरोपीय संघ के सांसद चाहते हैं कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ संपर्क के मामले में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो की जांच की जाए। यूरोपीय संसद में फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो के खिलाफ जांच शुरू करने के लिए कई यूरोपीय सांसद समर्थन जुटा रहे हैं। इसको लेकर पत्र पर अब तक 35 सहयोगियों ने हस्ताक्षर कर दिये है। इन्फेंटिनो पर अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को पहले ही लाल कार्ड मिलने के बावजूद खेलने की अनुमति देने के फैसले में शामिल होने का आरोप है। यूरोपीय संसद के सांसदों बैरी एंड्रयूज, लारा वॉल्टर्स और नील्स फुग्लसांग ने एक संयुक्त बयान में कहा कि फीफा का टूर्नामेंट के बीच में रेड कार्ड निलंबन के नियम को बदलने का निर्णय शर्मनाक और न्याय का विकृत रूप है। एक बार

फिर, हमने इन्फेंटिनो और फीफा को ट्रंप प्रशासन की मांगों के आगे झुकते हुए देखा है। सांसदों ने यूरोपीय संघ के देशों के राष्ट्रीय फुटबॉल संघों से फीफा आचार समिति को इन्फेंटिनो की जांच करने और यह पता लगाने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया है कि क्या निलंबन हटाने में ट्रम्प प्रशासन के दबाव का कोई हाथ था, साथ ही ट्रम्प को फीफा शांति पुरस्कार देने जैसे राजनीतिक तटस्थता के अन्य संभावित उल्लंघनों की भी जांच करने के लिए कहा है।

उल्लेखनीय है कि एक जुलाई को बोस्निया-हर्जेगोविना पर अमेरिका की जीत के दौरान बालोगुन को लाल कार्ड दिखाया गया था, जिसके कारण वह आम तौर पर टीम के अगले मैच में खेलने के लिए अयोग्य हो जाते, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 25 वर्षीय स्ट्राइकर की ओर से इन्फेंटिनो से हस्तक्षेप करने के बाद फीफा ने सोमवार को एक मैच के लिए उनका निलंबन हटा दिया।

चौथा टी-20 मुकाबला आज

ब्रिस्टल में सीरीज बचाने की कोशिश में भारत के सामने टीम चुनने की चुनौती

ब्रिस्टल

यूके दौरे से पहले, भारत एक ऐसी टीम लग रही थी जो अपनी टी- 20 वर्ल्ड कप जीत के बाद और बेहतर करने को तैयार थी। पांच मैच बाद, जिसमें आयरलैंड के खिलाफ 0-2 से टी-20 सीरीज़ हार भी शामिल है, श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज़ में 0-2 से पीछे है (पहला मैच बारिश की वजह से नहीं हो पाया था) और अब एक और सीरीज़ हारने के कगार पर है। भारतीय टीम अब गुरुवार को ब्रिस्टल में इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टी-20 खेलने जा रही है। वे जानते हैं कि सिर्फ़ जीत ही मेज़बान टीम को साउथम्प्टन में एक मैच बाकी रहते हुए पांच मैचों की सीरीज़ जीतने से रोक सकती है। ट्रेंट ब्रिज में 125 रन की बड़ी हार ने कई कमियों को उजागर किया, जिससे हेड कोच गौतम गंभीर और टीम मैनेजमेंट को इस अहम मुकाबले से पहले काफी कुछ सोचने पर मजबूर होना पड़ा। हार के अंतर से ज़्यादा, पूरे दौरे के दौरान भारतीय टीम का इंग्लिश हालात के हिसाब से खुद को न ढाल पाना चिंता का विषय बना हुआ है। सबसे बड़ी चर्चा टीम कॉम्बिनेशन को लेकर है, जिसमें संजू सैमसन को बाहर रखने का मुद्दा छाया हुआ है। विकेटकीपर-बल्लेबाज़, जिन्होंने भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी, उन्हें दूसरे और तीसरे टी-20 से बाहर रखा गया क्योंकि टीम मैनेजमेंट ने वैभव सूर्यवंशी को इंटरनेशनल डेब्यू का मौका देने का फैसला किया।

लॉर्ड्स टेस्ट से प्रतिका रावल बाहर, पूनिया को मिली जगह

मुंबई

भारत और इंग्लैंड के बीच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाने वाला ऐतिहासिक महिला टेस्ट शुरू होने से ठीक पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। युवा सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल चोट के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गई हैं। BCCI ने उनकी जगह अनुभवी बल्लेबाज प्रिया पुनिया को टीम में शामिल किया है। लॉर्ड्स में खेला जाने वाला यह मुकाबला कई मायनों में ऐतिहासिक होगा। लॉर्ड्स के मैदान पर पहली बार कोई महिला टेस्ट मैच खेला जाएगा। ऐसे में प्रतिका रावल अपने करियर का दूसरा टेस्ट खेलने की तैयारी में थीं, लेकिन चोट के कारण उनका सपना फिलहाल अधूरा रह गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच यह मुकाबला 10 से 13 जुलाई तक लॉर्ड्स में खेला जाएगा। प्रतिका ने इसी साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ के WAC मैदान पर अपना टेस्ट डेब्यू किया था। हाल ही में समाप्त हुए वूमेन्स टी-20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी और उन्होंने टी-20 क्रिकेट में डेब्यू भी नहीं किया है।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ 23 साल बाद टेस्ट सीरीज जीती

नार्थसाउंड

वेस्टइंडीज ने आखिरकार वह कारनामा कर दिखाया, जिसका उसे दो दशक से ज्यादा समय से इंतजार था। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से जीतकर कैरेबियाई टीम ने 23 साल बाद लंकाई टीम पर टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज की। हालांकि, एंटीगा में खेला गया दूसरा और आखिरी टेस्ट ड्रॉ रहा, लेकिन पहले मुकाबले में मिली जीत के दम पर वेस्टइंडीज ने सीरीज अपने नाम कर ली। यह टीम की पिछले तीन साल और पांच महीने में पहली टेस्ट सीरीज जीत भी है। नॉर्थ साउंड के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट में श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी 9 विकेट पर 251 रन बनाकर घोषित की और वेस्टइंडीज को जीत के लिए 302 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में मेजबान टीम ने बिना किसी नुकसान के 109 रन बना लिए थे,तभी खराब रोशनी के कारण मैच ड्रॉ घोषित कर दिया गया।

अर्जेंटीना से मिली हार के बाद मिस्र ने फीफा में दर्ज कराई औपचारिक शिकायत

रेफरी को विश्व कप से बाहर करने की उठाई मांग

एटलांटा

मिस्र फुटबॉल महासंघ ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ़-16 में अर्जेंटीना से 3-2 की हार के बाद रेफरी फ्रांस्वा लेटेक्सियर के फैसलों के खिलाफ फीफा में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। मिस्र की टीम एक समय 2-0 की बढ़त पर थी और ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ती दिखाई दे रही थी। हालांकि, अर्जेंटीना ने अंतिम क्षणों में शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इस दौरान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया और एक गोल में अहम भूमिका निभाई, जबकि स्टॉपेज टाइम में एन्जो फर्नांडीज ने विजयी गोल दागा।

मिस्र फुटबॉल महासंघ ने रेफरी पर क्या आरोप लगाए?

मुकाबले के बाद मिस्र खेमे ने कई अहम फैसलों पर नाराजगी जताई। टीम का दावा है कि VAR समीक्षा के बाद उसका एक गोल रद्द कर दिया गया, जबकि अर्जेंटीना के निर्णायक गोल से पहले मिली पेनल्टी की अपील की VAR से समीक्षा तक नहीं की गई। स्पेनिश प्रकाशन डियारियो एएस की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष हानी अबू रिदा ने फ्रांसीसी रेफरी फ्रांस्वा लेटेक्सियर और उनकी ऑफिशिएटिंग टीम के खिलाफ फीफा में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है।

क्या रेफरी और उनकी टीम को हटाने की भी मांग की गई है?

रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र फुटबॉल महासंघ ने उन फैसलों की जांच की मांग की है जिन्हें वह विवादास्पद मानता है। इसके साथ ही महासंघ ने आधिकारिक तौर पर यह भी अनुरोध किया है कि फ्रांसीसी रेफरी और उनकी पूरी ऑफिशिएटिंग टीम को टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों से हटा दिया जाए।

मिस्र के कोच ने मैच के बाद क्या कहा?

इससे पहले मिस्र के मुख्य कोच हसन ने भी रेफरी के कई फैसलों पर नाराजगी जताई थी। उनका कहना था कि मैच का नतीजा सिर्फ मैदान पर हुए खेल से तय नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हम मौजूदा विश्व चैंपियन से हर मामले में बेहतर खेले, लेकिन नतीजा मैदान के अंदर और बाहर के कारकों से प्रभावित हुआ। शायद वे चाहते थे कि विश्व चैंपियन टूर्नामेंट में बने रहें। शायद वे चाहते थे कि मेसी आगे खेलते रहें।

VAR और फेयर प्ले को लेकर हसन ने क्या आरोप लगाए?

हसन ने कहा कि फुटबॉल में कई बार तकनीकी पहलुओं से परे भी बाहरी प्रभाव देखने को मिलते हैं और विश्व चैंपियन को हर स्तर पर समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि आज हमें न सम्मान मिला और न ही फेयर प्ले। एक पेनल्टी नहीं दी गई, उसकी VAR से समीक्षा भी नहीं हुई। हमारा दूसरा गोल भी किसी कारण से रद्द कर दिया गया। हमारे साथ नाइंसाफी हुई है और यह अन्याय है।

ज्योति सुरेखा वेन्नम का तीरंदाजी विश्व कप फाइनल 2025 का कांस्य पदक रजत में बदल गया

नयी दिल्ली

चीन के नानजिंग में हुए तीरंदाजी विश्वकप फाइनल 2025 में भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम को मिला कांस्य पदक अब रजत पद में बदल गया है। यह बदलाव स्वर्ण पदक जीतने वाली मेक्सिको की मारियाना बर्नाल को अयोग्य घोषित किये जाने के बाद किया गया है। पिछले सप्ताह, विश्व आर्चरी ने घोषणा की कि बर्नाल को एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया है और सीजन के आखिरी टूर्नामेंट के फाइनल नतीजों में बदलाव किया गया है। 29 सितंबर, 2025 को इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा प्रतियोगिता के बाहर किए गए टेस्ट में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड नैंड्रोलोन के लिए पॉज़िटिव पाए जाने के बाद, बर्नाल ने एंटी-डोपिंग नियम के उल्लंघन के नतीजों को स्वीकार कर लिया। इस उल्लंघन के लिए तीन साल के लिए अयोग्य ठहराया जाता है, जिसके चलते बर्नाल को अब लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के बाद तक सस्पेंड कर दिया गया है।

जोकोविच रिकॉर्ड 15वीं बार विंबलडन सेमीफाइनल में

लंदन

नोवाक जोकोविच ने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को एक रोमांचक पांच-सेट वाले क्वार्टर फाइनल में 7-6(10), 3-6, 6-3, 6-7(4), 7-6(4) से हराकर रिकॉर्ड 15वीं बार विंबलडन पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई। यह मैराथन मुकाबला पांच घंटे और 15 मिनट तक चला, जिससे यह मंगलवार को विंबलडन के इतिहास में सबसे लंबा पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल बन गया। जोकोविच का क्वार्टर फाइनल में सिनर से मुकाबला होगा। इससे पहले दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी यानिक सिनर ने भी जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 7-5, 7-6(4), 6-3 से हराकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। वहीं अलेक्जेंडर ज़्वेरेव का सामना अपने सबसे मुश्किल प्रतिद्वंद्वियों में से एक टेलर फ्रिट्ज़ से हुआ। दुनिया के नंबर 7 खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज़ के खिलाफ लगातार सात मैच हारने के बाद, ज़्वेरेव ने बाजी पलट दी और 1 घंटे 59 मिनट में 6-4, 6-4, 6-2 से शानदार जीत दर्ज की। ज़्वेरेव अब दक्षिण-पश्चिम लंदन में चैंपियनशिप मैच में जगह बनाने के लिए ब्रिटिश वाइल्ड कार्ड आर्थर फेरी से भिड़ेंगे। फेरी ने फ्लावियो कोबोली को 6-4, 7-6, 6-0 से हराया।

महिलाओं के ड्रॉ में, कोको गॉफ ने जेसिका पेगुला को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया और अपने करियर के पहले विंबलडन सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनका मुकाबला चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा, जिन्होंने जापान की नाओमी ओसाका को 7-6(4), 6-4 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। वहीं लिंडा नोस्कोवा इस साल विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी चेक महिला बन गईं। उन्होंने बुधवार को बेल्जियम की एलिस मर्टेंस को 6-3, 7-5 से हराया। लिंडा का सेमीफाइनल में यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक से मुकाबला होगा। मार्टा कोस्तयुक ने अपने करियर के पहले विंबलडन सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कोस्तयुक ने बुधवार को इटली की जैस्मीन पाओलिनी के खिलाफ 6-3, 6-2 से जीत दर्ज करते हुए लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला सिर्फ 1 घंटा और 9 मिनट तक चला।

दृश्यः कमला पार्क रोड
क्लिकः शाम 6 बजे
राजधानी में पिछले दो दिनों से मानसून सक्रिय है। बुधवार को दिनभर बादल छाए रहे लेकिन बारिश नहीं हुई जिससे मौसम में उमस बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो दिनों में शहर में अच्छी बारिश का अनुमान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 5,017 करोड़ रुपये की उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन परियोजना का करेंगे भूमि पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के सड़क अधोसंरचना विकास में 10 जुलाई को एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। इस दिन उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन मार्ग परियोजना का भूमि पूजन होगा। लगभग 98.73 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण 5,017 करोड़ रुपये की लागत से मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा किया जाएगा। यह परियोजना उज्जैन

98.73 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी परियोजना से मालवा के विकास को मिलेगी नई गति

दक्षिण, घट्टिया, नागदा-खाचरौद, आलोट एवं जावरा विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। विशेष रूप से सिंहस्थ-2028 के दौरान राजस्थान, गुजरात तथा देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए यह मार्ग अत्यंत सुगम और सुविधाजनक साबित होगा। परियोजना के अंतर्गत 98.73 किलोमीटर ग्रीनफील्ड फोरलेन मार्ग, 3 रेल ओवरब्रिज, 9 वृहद पुल, 26 मध्यम पुल तथा 417 पुलियों का निर्माण किया जाएगा।

मंत्रि परिषद की बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गिनाईं उपलब्धियां

सरदार सरोवर विवाद के समाधान से प्रदेश को मिली बड़ी आर्थिक राहत

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले प्रदेश सरकार की कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने बताया कि 30 वर्षों से लंबित सरदार सरोवर परियोजना के विवाद का सर्वसम्मति से समाधान हो गया है, जिससे मध्यप्रदेश पर पड़ने वाला करीब डेढ़ हजार करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ घटकर मात्र 217 करोड़ रुपये रह गया है। मुख्यमंत्री ने वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन, ज्ञान भारतम् योजना, जल संरक्षण, खेल और औद्योगिक निवेश में प्रदेश की उपलब्धियों को भी ऐतिहासिक बताया।

पांडुलिपि संरक्षण में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री ने बताया कि नए कानून के तहत वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। वहीं 'ज्ञान भारतम्' योजना में भी प्रदेश ने पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है। अब तक 34.45 लाख से अधिक पांडुलिपि पन्नों का पंजीकरण और 12 लाख से अधिक पन्नों का सत्यापन किया जा चुका है। टीकमगढ़ से 10 फीट लंबा जम्बूद्वीप का नक्शा, पन्ना से 'रसिक प्रिया', बुरहानपुर से 220 वर्ष पुरानी हस्तलिखित श्रीमद्भागवत तथा दतिया से ऐतिहासिक ताम्रपत्र जैसी दुर्लभ धरोहरें भी सामने आई हैं।

रक्षा उद्योग और स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क से बढ़ेंगे रोजगार

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश अब रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। शिवपुरी के पाली में 2,500 करोड़ रुपये की लागत से अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस यूनिट स्थापित की जा रही है, जिससे चंबल क्षेत्र में 10 हजार से अधिक रोजगार सृजित होंगे। वहीं भोपाल के सतगढ़ी में 150 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होने वाला डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क 15 हजार से अधिक लोगों को रोजगार देगा। यहां 10 हजार क्षमता का कन्वेंशन एवं एग्जीबिशन सेंटर भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसरों के माध्यम से मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना है।

जल संरक्षण और खेलों में भी प्रदेश ने दर्ज की बड़ी उपलब्धि... मुख्यमंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पिछले तीन वर्षों में 15,819 करोड़ रुपये की लागत से 5.20 लाख से अधिक जल संरक्षण कार्य पूरे किए गए हैं। वर्ष 2026 में अकेले 3.60 लाख से अधिक कार्य संपन्न हुए, जबकि बड़वानी, खंडवा, नीमच, उज्जैन और खरगोन अभियान में शीर्ष पांच जिले रहे। खेलों में भी प्रदेश के खिलाड़ियों ने जापान में आयोजित अंडर-18 हॉकी एशिया कप में छह स्वर्ण और चार कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया।

कांग्रेस का झूठ बेनकाब, परियोजना में मप्र को हुआ फायदा : अग्रवाल

- भाजपा मीडिया प्रभारी ने सिंघार के बयान को बताया दुष्प्रचार

भोपाल (नगर संवाददाता)

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा है कि सरदार सरोवर परियोजना को लेकर कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही है, जबकि सच्चाई बिल्कुल अलग है। फरवरी 2026 में भारत के अटॉर्नी जनरल के अभिमत के अनुसार मध्यप्रदेश पर गुजरात को लगभग 1,500 करोड़ के भुगतान की स्थिति बन रही थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सतत प्रयासों तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के मार्गदर्शन में चारों राज्यों के बीच सहमति बनी। परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश की देनदारी घटकर मात्र 231.80 करोड़ रह गई। यानी मध्यप्रदेश के लगभग 1,268 करोड़ बचाए गए और 30 वर्षों पुराना विवाद समाप्त हो गया।

उन्होंने कांग्रेस नेता उमंग सिंघार से पूछा है कि क्या 1,500 करोड़ की संभावित देनदारी को घटाकर 231.80 करोड़ करना प्रदेशहित के विरुद्ध है, या यह मध्यप्रदेश के हितों की ऐतिहासिक रक्षा है? यह निर्णय केवल आर्थिक बचत नहीं, बल्कि सहकारी संघवाद, संवाद और मजबूत नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण है।

इससे मध्यप्रदेश को सिंचाई, बिजली और नर्मदा जल का लाभ निरंतर मिलता रहेगा। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के इस संबंध में दिए गए बयान को दुष्प्रचार करार दिया।

रातभर चला सघन चेकिंग अभियान संदिग्धों से की जा रही पूछताछ

भोपाल (नगर संवाददाता)

पुराने शहर में मंगलवार देर रात पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर लगाम लगाने के लिए सघन चेकिंग और सर्च अभियान चलाया। इस दौरान कई थाना क्षेत्रों में प्रमुख चौराहों, बाजारों और संवेदनशील इलाकों में बैरिकेड्स लगाकर वाहनों की जांच की गई। पुलिस ने देर रात बिना उचित कारण घूम रहे लोगों से पूछताछ की और उनकी पहचान की जांच की। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए आवश्यक कार्रवाई भी की गई। अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों के दस्तावेज जांचे गए। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस ने संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त भी की। लोगों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। डीसीपी आयुष गुप्ता ने बताया कि अपराधियों में कानून का डर बनाए रखने और शहर में शांति बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के लिए भी कार्रवाई जारी रहेगी।

अलग-अलग हादसों में तीन लोगों की मौत

- माफी लिखकर कारोबारी ने फांसी लगाई
- पटरी पार करते समय ट्रेन से टकराकर मौत

भोपाल (नगर संवाददाता)

बीते चौबीस घंटों के दौरान राजधानी में तीन व्यक्तियों की अकाल मौत हो गई। इसमें ईटखेड़ी में एक कारोबारी ने पत्र लिखकर फंदे पर लटक गए। वहीं ऐशबाग में रेलवे पटरी पार करते वक्त एक व्यक्ति ट्रेन से टकरा गया। जबकि बिलखिरिया इलाके में एक व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत हो गई है।

ईटखेड़ी थाना पुलिस के अनुसार 26 वर्षीय पंकज सिंह राजपूत इंजीनियरिंग के बाद करोंद क्षेत्र में कॉस्मेटिक स्टोर चलाते थे। वे मूलतः बैरसिया के पीपलखेड़ा गांव के रहने वाले थे। यहां अपनी मां और दो छोटे भाइयों के साथ चौकसे नगर, लांबाखेड़ा में रहते थे। मंगलवार को वह दुकान पर नहीं गए थे। रात करीब साढ़े आठ बजे पंकज कमरे में पंखे से फंदे पर लटके मिले। परिजन पीपुल्स अस्पताल ले गए थे वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को एक कागज में लिखा आई एम सॉरी मिला है। पुलिस खुदकुशी की वजह पता लगाने का प्रयास कर रही है।

रेलवे पटरी पर मिली लाश

इधर, ऐशबाग थाना क्षेत्र में मुरारजी नगर के पास रेलवे पटरी पर एक व्यक्ति की लाश मिली। जिसकी पहचान 32 वर्षीय मनीष प्रजापति के रुप में हुई। वह जहांगीराबाद स्थित जिंसी में रहते थे। घटना मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात हुई थी। वे रेलवे ट्रैक पार कर घर लौट रहे थे। तभी रानी कमलापति की तरफ जा रही ट्रेन की चपेट में वह आ गए थे।

टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश जारी

उधर, बिलखिरिया थाना क्षेत्र में एलएनसीटी कॉलेज के सामने जख्मी मिले एक व्यक्ति की मौत हो गई। शव की पहचान अभी नहीं हो सकी है। मरने वाले व्यक्ति की उम्र 30 साल है। पुलिस को प्राथमिक जांच में पता चला है कि मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात एक बजे उसे किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी।

एक साल की मासूम बच्ची पर ट्रैक्टर चढ़ा, मौत

भोपाल (नगर संवाददाता)

मिसरोद में एक साल की मासूम बच्ची पर ट्रैक्टर चढ़ गया। जिसकी इलाज के दौरान भोपाल एम्स अस्पताल में मौत हो गई। जिस ट्रैक्टर से दुर्घटना हुई वह अवैध तरीके से रेत का परिवहन कर रहा था।

जानकारी के अनुसार हादसा बुधवार दोपहर तीन बजे ग्राम छान में हुआ। यहां अजय गौड का परिवार रहता है। वह मजदूरी करता है। उसकी तीन बेटियां है। सबसे छोटी बेटी कीर्ति थी जो कि एक कीर्ति गौड को टक्कर मार दी। उसे गंभीर हालत में भोपाल एम्स अस्पताल ले जाया गया। यहां शाम छह बजे चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित करके पुलिस को खबर कर दी। परिजनों का आरोप है कि उसके शव को पलंग में रखे हुए एक घंटा बीत गया।

निर्माण के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा अथवा कष्ट का सामना न करना पड़े

मेट्रो परियोजना राजधानी के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्णः कृष्णा गौर

भोपाल (नगर संवाददाता)

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री कृष्णा गौर ने कहा है कि भोपाल महानगर के विकास के लिए मेट्रो परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है, किंतु इसके निर्माण के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा अथवा कष्ट का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन समेत समस्त आवश्यक जनसुविधाएं उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिक जवाबदेही है।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बुधवार को मंत्रालय में गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मेट्रो परियोजना के कारण क्षतिग्रस्त हुए प्रमुख मार्गों के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने प्रशासनिक और तकनीकी अधिकारियों के दल के साथ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने डीआरएम से एम्स, आईटीआई से रत्नागिरी तिराहे तथा डीआरएम रोड एवं अलकापुरी मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़कों पर निर्मित गड्ढों को अविलंब भरने तथा इस कार्य में शिथिलता अथवा लापरवाही बरतने वाले संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मार्गों की जर्जर स्थिति के कारण यातायात व्यवस्था बाधित हो रही है और वर्षाकाल में जलभराव जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, जिससे नागरिकों का दैनिक जीवन प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहा है। उन्होंने इन विसंगतियों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्णतः सुधारने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने परियोजना के क्रियान्वयन में गति लाने के उद्देश्य से निर्देश दिए कि आईटीआई से रत्नागिरी मार्ग के पुनर्निर्माण के लिए वर्तमान अनुबंधित ठेकेदार के माध्यम से ही समस्त आवश्यक सुधार कार्य कराए जाएं। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि भविष्य में सड़क निर्माण के विस्तृत प्राक्कलन (एस्टीमेट) तैयार करते समय सभी विभाग आपस में समन्वय स्थापित करें।

सेफ क्लिक 2.0 के समापन पर बोले डीजीपी

साइबर अपराधों की रोकथाम में जागरूकता ही सबसे प्रभावी सुरक्षा कवचः मकवाणा

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 24 जून से 8 जुलाई तक संचालित 15 दिवसीय प्रदेशव्यापी 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर सुरक्षा जनजागरूकता अभियान का नरोन्हा प्रशासन अकादमी में समापन हुआ।

इस अवसर पर डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि जनवरी 2025 में अधिकारियों को दिए गए नववर्ष संदेश में तीन प्रमुख चुनौतियों–साइबर अपराध, नशे के विरुद्ध जनजागरूकता तथा सड़क सुरक्षा–को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए जनभागीदारी आधारित अभियान संचालित करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि 'सेफ क्लिक 1.0' के सकारात्मक परिणामों के कारण प्रदेश में डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों में उल्लेखनीय कमी देखने को मिली है। साइबर अपराधी लगातार अपने तौर-तरीके बदल रहे हैं, इसलिए मप्र पुलिस भी समय-समय पर नई एडवाइजरी जारी कर नागरिकों को सतर्क कर रही है। 'सेफ क्लिक 2.0' को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर) ए. साईं मनोहर एवं उनकी टीम ने बदलते साइबर परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए और अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान किया, जिसके परिणामस्वरूप यह अभियान जन-जन तक पहुँचने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में साइबर अपराध कानून-व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होंगे। ऐसे में जागरूकता ही सबसे प्रभावी सुरक्षा कवच है।

डीजीपी ने साइबर अपराध एवं सुरक्षा कानून पुस्तक को सराहा

भोपाल। बढ़ते साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी से बचाव और जन जागरूकता के उद्देश्य से लिखी गई पुस्तक 'साइबर अपराध एवं सुरक्षा कानून' को काफी सराहा जा रहा हैं। उसी क्रम में सेफ़ क्लिक 2.0 अभियान के समापन अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा और पुलिस कमिश्नर संजय कुमार को पुस्तक भेंट की गई। पुस्तक का अवलोकन करने के बाद डीजीपी ने उसकी सराहना की। पुस्तक को साइबर विशेषज्ञ एवं साइबर कानून सलाहकार इंजीनियर. शकील अंजुम द्वारा लिखा हैं। पुस्तक में ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल सुरक्षा, साइबर कानून,पहचान की सुरक्षा,फिशिंग,सोशल मीडिया अपराध, डेटा सुरक्षा तथा लोगों के लिए आवश्यक साइबर सावधानियों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है।

एम्स में नए डॉक्टरों को सिखाए जाएंगे मरीजों से जुड़ाव के गुर

भोपाल (नगर संवाददाता)

मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद अब 125 युवा डॉक्टर मरीजों की जिम्मेदारी संभालने की तैयारी करेंगे। इसके लिए एम्स भोपाल के सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी (सीएमईटी) ने वर्ष 2022 बैच के एमबीबीएस इंटर्न्स के लिए एक सप्ताह का इंटर्नशिप इंडक्शन प्रोग्राम शुरू किया है। इंडक्शन प्रोग्राम में बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस), प्रभावी संचार, मानसिक स्वास्थ्य, तनाव एवं समय प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन, चिकित्सा के कानूनी पहलुओं और सामुदायिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर विशेषज्ञ प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर ने किया। उन्होंने कहा कि एक चिकित्सक की पहचान केवल उसके ज्ञान से नहीं, बल्कि मरीजों के प्रति संवेदनशीलता, प्रभावी संवाद और अनुशासित कार्यशैली से भी होती है।

किसान दुग्ध उत्पादन को बढ़ाएं : उमराव

भोपाल। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, किसानों, पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पशुपालक तक आसानी से पहुंचे, इस उद्देश्य से बुधवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी सभागार में किसानों के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक की।

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उनके सुझाव भी प्राप्त किए। बैठक में महेश चंद्र चौधरी सहित जिलों के किसान भी उपस्थित रहे।

'संस्कृत वाड्मय और भारतीय ज्ञान-परंपरा विषय पर व्याख्यान आयोजित

भारतीय ज्ञान परंपरा से ही सशक्त होगा भविष्य का भारत : डॉ. विश्वबंधु

भोपाल (नगर संवाददाता)

भारतीय संस्कृति में ज्ञान का उद्देश्य केवल शिक्षा प्राप्त करना नहीं, बल्कि श्रेष्ठ चरित्र और जीवन मूल्यों का निर्माण करना है। भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा से जोड़कर ही सभ्यतागत चेतना को पुनः स्थापित किया जा सकता है।

यह बात भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान तथा उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'संस्कृत वाड्मय और भारतीय ज्ञान-परंपरा : सभ्यतागत चेतना की पुनर्प्रतिष्ठा' विषय पर एक दिवसीय

उन्मुखीकरण व्याख्यान को संबोधित करते हुए त्रिपुरा विश्वविद्यालय के विद्वान डॉ. विश्वबंधु ने कही।

प्रकृति और चरित्र का गहरा संबंध-डॉ. विश्वबंधु ने कहा कि भारतीय संस्कृति प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि चेतन सत्ता मानती है। महाकवि भवभूति के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग वही व्यक्ति कर सकता है, जिसका चरित्र और आचरण श्रेष्ठ हो। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि नैतिक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है। गुरु-शिष्य परंपरा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान तभी सार्थक होता है, जब विद्यार्थी में जिज्ञासा, विनम्रता और सीखने की सच्ची इच्छा हो।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से मजबूत होगी भारतीयता

दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि भारतीय ज्ञान का विशाल भंडार संस्कृत वाड्मय में सुरक्षित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगी और शिक्षा को भारतीय मूल्यों से जोड़ने का कार्य करेगी।

सीखने की प्रवृत्ति जरूरी : अग्रवाल

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के निदेशक डॉ. प्रज्ञेश अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों का वास्तविक विकास उनकी जिज्ञासा, नैतिक मूल्यों और सतत सीखने की प्रवृत्ति से होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरणा लेकर ज्ञान, चरित्र और सेवा के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।